▸▸वर्ष : 35 ▸▸अंक : 28 ▸▸मुंबई, शनिवार, 11 अप्रैल 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

किराए के किफायती घरों के लिए पोर्टल होगा विकसित

मुंबई आने वाले नौकरीपेशा लोगों के लिए मुख्यमंत्री ने एक विशेष पोर्टल विकसित करने का निर्देश दिया है। यह पोर्टल मांग और उपलब्धता के बीच समन्वय स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री का उद्देश्य एक ऐसा तंत्र विकसित करना है जिससे मकान मालिकों और किरायेदार, दोनों को कानूनी या प्रशासनिक अड़चनों का सामना न करना पड़े।

डीसीपी को सक्षम अधिकारी किया नियुक्त

महाराष्ट्र किराया नियंत्रण अधिनियम, 1999 को प्रभावी बनाने के लिए अब पुलिस उपायुक्त (DCP) को 'सक्षम प्राधिकारी' के रूप में नियुक्त किया जाएगा। जैसे-जैसे नए पुलिस स्टेशन या क्षेत्र बढ़ेंगे, अधिकारियों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। इससे किराये से जुड़े विवादों में पुलिसिया हस्तक्षेप और कानूनी प्रक्रिया अधिक सुलभ हो सकेगी।

- ▸▸ मुंबई के बोरिवली में बनेंगे 1000+ किफायती घर
- ▸▸ 2026-27 में महाराष्ट्र को मिलेंगे 13 हजार नए घर
- ▸▸ पीएम आवास योजना के तहत 729 करोड़ में होगा भूमि अधिग्रहण; मुख्यमंत्री ने दी हरी झंडी
- ▸▸ किरायेदारों के लिए 'इवनिंग कोर्ट' और डिजिटल पोर्टल

लंबित मामलों के लिए शाम की अदालतें

किराये और लीज से जुड़े हजारों प्रलंबित मामलों के निपटारे के लिए मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारी कदम उठाया है। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की देखरेख में 100 विशेष न्यायालय गठित होंगे। कोर्ट की अनुमति से शाम के समय सुनवाई होगी ताकि लंबित केस तेजी से खत्म हों। यदि अदालतों के पास स्थान की कमी है, तो सरकार किराए पर जगह लेकर इन विशेष अदालतों को शुरू करेगी।

किफायती घर का रोडमैप

धीरज सिंह/दीपक पवार | मुंबई

मुंबई में अपना घर खरीदने या किफायती किराये पर रहने का सपना देख रहे आम नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। बोरिवली में सरकारी जमीन के अधिग्रहण से लेकर म्हाडा के नए बजट तक, महाराष्ट्र सरकार ने 'अफोर्डेबल हाउसिंग' का एक व्यापक रोडमैप पेश किया है।

बोरिवली में पीएमएवाई के तहत नया हाउसिंग प्रोजेक्ट

बोरिवली के गोराई (BSNL) और शिंपोली (MTNL) में स्थित कुल 28.84 एकड़ आरक्षित जमीन पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर बनाए जाएंगे। सरकार इस जमीन को रेडीरेकनर दर पर 729 करोड़ रुपये में खरीदेगी। यहाँ 1000 से ज्यादा घरों का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे उपनगरीय मुंबई में मध्यम वर्ग के लिए घर का सपना आसान होगा।

म्हाडा की 13 हजार घरों की सौगात

म्हाडा ने वर्ष 2026-27 के लिए 17,430.73 करोड़ का बजट मंजूर किया है, जिसके तहत पूरे महाराष्ट्र में 13,012 किफायती घर बनाए जाने की योजना है। ये घर क्षेत्रीय मंडलों के माध्यम से मुंबई, पुणे, कोंकण, नाशिक, अमरावती, छत्रपति संभाजी नगर और नागपुर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विकसित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। मुंबई में 2,538 घरों का निर्माण प्रस्तावित है, जिसके लिए 10,585 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो महानगर में बढ़ती आवास मांग को ध्यान में रखते हुए किया गया है। यह पहल राज्य में किफायती आवास को बढ़ावा देने के साथ-साथ शहरी विकास को भी गति देने में अहम भूमिका निभाएगी।

'भगवा लेकर आए हैं, भगवा पहनकर ही जाएंगे'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की चर्चाओं ने उस वक्त नया मोड़ ले लिया जब शिवसेना (उद्धव गुट) के वरिष्ठ सांसद अरविंद सावंत ने पाला बदलने की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया। सावंत ने शुक्रवार (10 अप्रैल 2026) को स्पष्ट किया कि वह उद्धव ठाकरे के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और अफवाहों का बाजार गर्म करने वाली इन खबरों में कोई सच्चाई नहीं है।

- ▸▸ अरविंद सावंत ने शिंदे के साथ बैठक की खबरों को किया खारिज
- ▸▸ उद्धव के साथ रहने की प्रतिबद्धता दोहराई

क्या है ऑपरेशन टाइगर?

महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में 'ऑपरेशन टाइगर' शब्द तब चर्चा में आया जब मीडिया रिपोर्ट्स ने दावा किया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ठाणे में एक गुप्त बैठक की है। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उद्धव ठाकरे गुट के बाकी बचे सांसदों को शिंदे गुट में शामिल करना बताया जा रहा है, जिससे आगामी चुनावों से पहले ठाकरे गुट को बड़ा झटका दिया जा सके।

अरविंद सावंत की दो टूक सफाई

सांसद अरविंद सावंत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इन खबरों को 'सुनियोजित साजिश' करार दिया। उन्होंने कहा कि वह शिंदे या उनके किसी नेता के संपर्क में नहीं हैं। सावंत ने भावुक होते हुए कहा कि वह 1968 से पार्टी के साथ हैं और उन्होंने 2019 में उद्धव ठाकरे के लिए केंद्रीय मंत्री का पद भी त्याग दिया था, इसलिए उनके निष्ठा पर सवाल उठाना गलत है। सावंत ने दलील दी कि गुरुवार (9 अप्रैल) को ही संसद भवन में शिवसेना (UBT) के नए कार्यालय का उद्घाटन हुआ था, जहाँ पार्टी के सभी 11 सांसद (9 लोकसभा और 2 राज्यसभा) मौजूद थे। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सभी एकजुट हैं, तो फिर इस तरह की गुप्त बैठकों की खबरें केवल भ्रम फैलाने के लिए फैलाई जा रही हैं।

संजय राउत का पलटवार

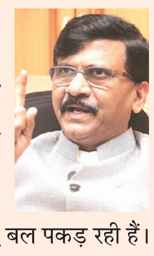

इस मुद्दे पर संजय राउत ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिंदे गुट को पहले ही खत्म कर दिया है और अब ध्यान भटकाने के लिए ऐसे ऑपरेशंस की फर्जी खबरें फैलाई जा रही हैं। वहीं, शिंदे गुट के नेता प्रताप सरनाईक ने दावा किया कि उद्धव गुट में काफी धुसफूस है, जिससे ऐसी चर्चाएं बल पकड़ रही हैं।

8 सांसदों के टूटने की थी चर्चा

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि लोकसभा में उद्धव गुट के कुल 9 सांसदों में से 8 ने शिंदे के साथ बैठक की है। जिन नामों की चर्चा हुई उनमें अरविंद सावंत, संजय पाटिल, संजय देशमुख, नागेश पाटिल, राजाराम वाकचौरे, संजय जाधव, ओम राजे निंबालकर और राजाभाऊ वाजे शामिल थे। बताया गया कि इनमें से 6 व्यक्तिगत रूप से और 2 ऑनलाइन माध्यम से बैठक में जुड़े थे।

नकली खाद-कीटनाशकों पर सख्ती, हर तालुका में नियुक्त होंगे निरीक्षक

मुंबई। नकली कीटनाशकों और मिलावटी कृषि सामग्री से फसलों को हो रहे नुकसान को देखते हुए सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के क्षेत्र में नकली कीटनाशक से पूरी फसल जलने की घटना सामने आने के बाद जयपुर में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि परिषद में सभी राज्यों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी के तहत राज्य सरकार ने हर तालुका में निरीक्षक नियुक्त करने का फैसला किया है। राज्य के कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने इस पर तुरंत निर्णय लेते हुए निरीक्षण व्यवस्था को मजबूत करने का आदेश दिया। नई व्यवस्था के तहत हर तालुका में कम से कम एक निरीक्षक या 100 विक्रेताओं पर एक निरीक्षक तैनात किया जाएगा।

महाराष्ट्र पुलिस के लिए हेलमेट अनिवार्य

अनुशासनहीनता की फोटो सोशल मीडिया पर आई तो सीधा सर्विस बुक में होगा दर्ज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र पुलिस ने 'सड़क सुरक्षा' को लेकर ₹पहले खुद, फिर नागरिक₹ की नीति अपनाते हुए एक कड़ा रुख अख्तियार किया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक ने स्पष्ट कर दिया है कि अब बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले पुलिसकर्मियों को न केवल जुर्माना भरना होगा, बल्कि यह उनकी 'सर्विस बुक' पर भी दाग लगाएगा। नागपुर में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक के दौरान पुलिस महानिदेशक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि पुलिस खुद नियमों का उल्लंघन करेगी, तो आम जनता से हेलमेट पहनने की अपेक्षा करना व्यर्थ है।

सर्विस बुक पर पड़ेगा काला दाग

नया आदेश केवल जुर्माने तक सीमित नहीं है। यदि कोई पुलिसकर्मी बिना हेलमेट पाया जाता है या उसकी ऐसी कोई तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होती है, तो इसे 'गंभीर अनुशासनहीनता' माना जाएगा। इस घटना का जिक्र उनकी सेवा पुस्तिका में किया जाएगा, जिसका सीधा असर उनके प्रमोशन और करियर की प्रगति पर पड़ सकता है।

10 साल के हादसों के आंकड़ों के बाद जागा प्रशासन

पुलिस विभाग के अध्ययन के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में सड़क हादसों का शिकार होने वालों में 35 से 40 प्रतिशत लोग दोपहिया वाहन चालक हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हेलमेट न केवल जान बचाता है, बल्कि सिर की गंभीर चोटों के खतरे को भी न्यूनतम कर देता है। इसी गंभीरता को देखते हुए यह सख्त कदम उठाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई और नागपुर में हेलमेट पहनने की दर 80% है, लेकिन राज्य के अन्य जिलों में यह आंकड़ा 20% से भी कम है।

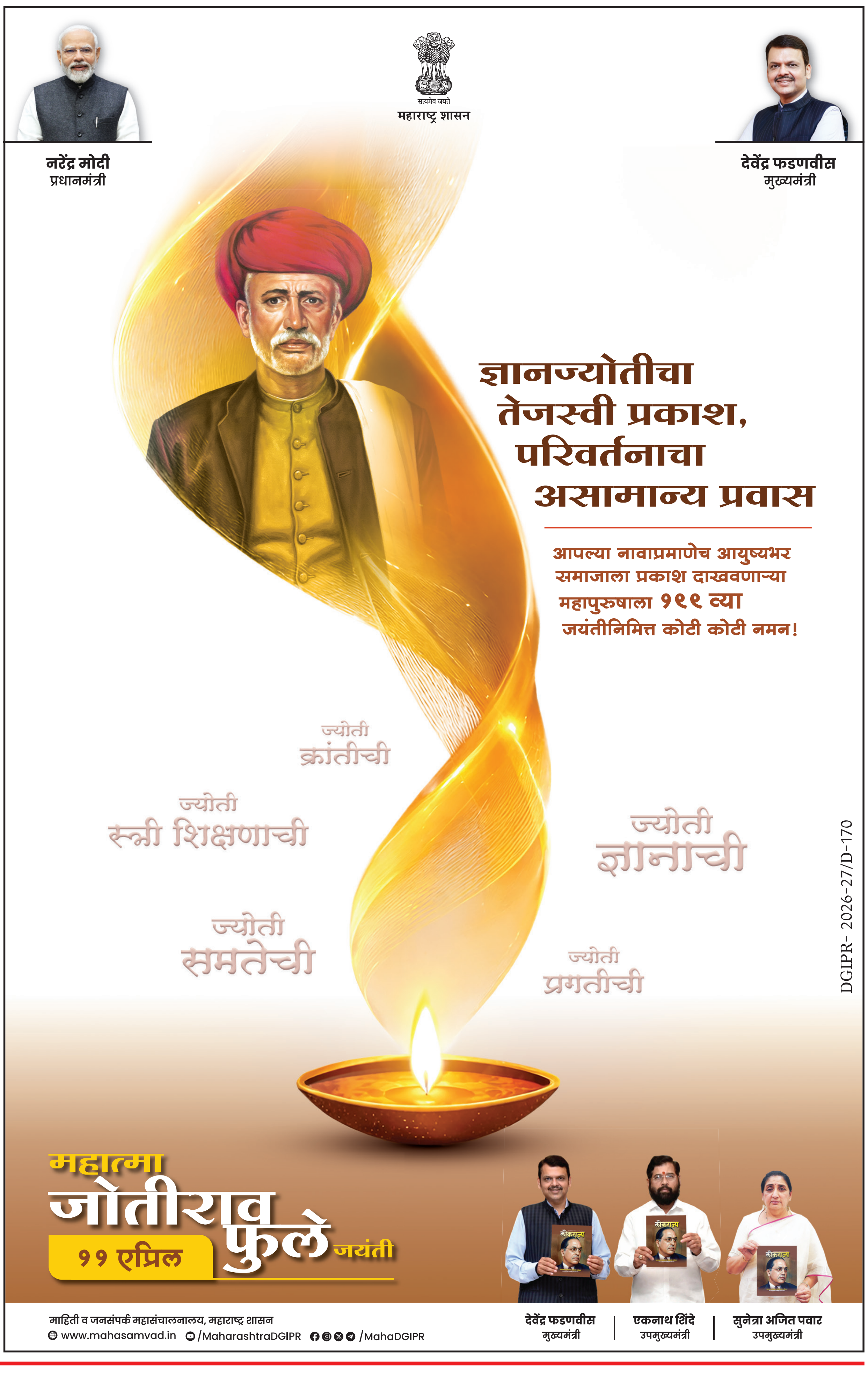

ब्रीफ न्यूज़

तुलजाभवानी मंदिर के विकास के लिए 1865 करोड़ रुपये मंज़ूर

मुंबई। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के संरक्षक मंत्री प्रताप सरनाईक ने शुक्रवार को कहा कि तुलजाभवानी मंदिर के विकास के लिए 1865 करोड़ रुपये मंज़ूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि तुलजाभवानी मंदिर का विकास कार्य राममंदिर की तर्ज पर किया जाएगा। मुंबई स्थित मंत्रालय में संरक्षक मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में तुलजाभवानी मंदिर विकास के लिए बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के बाद प्रताप सरनाईक ने पत्रकारों को बताया कि तुलजाभवानी मंदिर के लगभग 1865 करोड़ रुपये के विकास प्लान को मंज़ूरी दी है। इसमें से 421 करोड़ रुपये के अलग-अलग विकास कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।

आईटी-कंपनी में लड़कियों के यौन शोषण-धर्मांतरण मामले में हंगामा

नासिक। नासिक की एक मल्टीनेशनल आईटी कंपनी में हिंदू महिला कर्मचारियों के यौन शोषण, जबरन नमाज पढ़वाने और धर्म परिवर्तन के दबाव का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसके बाद पुलिस ने HR मैनेजर अश्विनी छनानी और छह मुस्लिम टीम लीडर्स सहित कुल 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। पीड़ितों का आरोप है कि उन्हें गोमांस खाने, नमाज पढ़ने और हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने के लिए मजबूर किया गया, वहीं विरोध करने पर उन्हें डराया-धमकाया जाता था। मामला तब उजागर हुआ जब कुछ महिला कर्मचारियों के पहनावे और व्यवहार में अचानक बदलाव (जैसे लिपस्टिक छोड़ना और रोजा रखना) देखा गया, जिसके बाद 9 महिलाओं और एक युवक ने साहस जुटाकर शिकायत दर्ज कराई।

जिरवाल वीडियो कांड में नया ट्विस्ट

आरोपी पहुंचा हाईकोर्ट, FIR रद्द करने की लगाई गुहार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता और विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष नरहरी जिरवाल से जुड़े कथित वीडियो मामले ने अब एक गंभीर कानूनी लड़ाई का रूप ले लिया है। इस मामले में वीडियो लीक करने के आरोपी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। यह पूरा मामला मुंबई के कफ परेड पुलिस स्टेशन से शुरू हुआ, जहाँ एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने वीडियो लीक करने और धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

छेड़छाड़ का आरोप

मामले की जड़ में वह वीडियो है जिसमें कथित तौर पर एनसीपी नेता नरहरी जिरवाल एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसके भाई (आरोपी) ने वीडियो के साथ छेड़छाड़ की और फिर उसे लीक कर उसे धमकाने और बदनाम करने की कोशिश की।

खरात पर एक और धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक दुष्कर्म मामले के आरोपित ढोंगी अशोक खरात और उसकी पत्नी कल्पना खरात के विरुद्ध शुक्रवार को सिन्नर पुलिस स्टेशन में एक और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया। इस मामले में आरोपित पर मंदिर बनाने के नाम पर 16 एकड़ जमीन हड़पने का आरोप है। इस तरह अब तक ढोंगी अशोक खरात के खिलाफ कुल 14 मामले दर्ज हो चुके हैं। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि अशोक खरात और उसकी पत्नी कल्पना खरात के खिलाफ सिन्नर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का चौदहवां केस दर्ज किया गया है।

गोल्ड तस्करों की शामत

- ▸▸ मुंबई एयरपोर्ट पर 37.74 करोड़ रुपये का सोना जब्त
- ▸▸ 24 विदेशी महिलाएं गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई एयरपोर्ट पर राजस्व खुफिया टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 37.74 करोड़ रुपये मूल्य का 29.37 किलोग्राम सोना जब्त किया है। इस मामले में 24 विदेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है, जो सोने की तस्करी में शामिल पाई गईं। अधिकारियों को केनिया के नैरोबी से सोना लेकर आने वाले एक समूह की गुप्त जानकारी मिली थी। इसी के आधार पर एयरपोर्ट पर विशेष अभियान चलाकर सभी संदिग्ध महिलाओं को रोका गया और जांच की गई। कार्रवाई के दौरान महिलाओं ने विरोध किया, जिसके बाद सुरक्षा बलों की मदद ली गई।

तस्करी के लिए दी गई ट्रेनिंग

तलाशी में 25.1 किलोग्राम सोने की छड़ें और 4.27 किलोग्राम सोने के गहने बरामद किए गए। सोना अलग-अलग तरीकों से छिपाकर लाया जा रहा था, ताकि जांच से बचा जा सके। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन महिलाओं को सोना छिपाने और सुरक्षा जांच से बचने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया था। इससे एक संगठित तस्करी गिरोह के सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है।

मेट्रो और पॉड टैक्सी से बदलेगी एमएमआर की सूरत

ठाणे, मीरा-भाईंदर और नवी मुंबई में चलेंगी पॉड टैक्सियां

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/ठाणे

मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के निवासियों के लिए यातायात की तस्वीर बदलने वाली है। ठाणे और मीरा-भाईंदर के बीच सफर को आसान बनाने के लिए मेट्रो-10 प्रोजेक्ट को 'फास्ट ट्रैक' पर लाने और पॉड टैक्सी जैसे आधुनिक साधनों को शुरू करने का बड़ा फैसला लिया गया है।

मेट्रो-10 प्रोजेक्ट के लिए अगले हफ्ते निकलेगा टेंडर

राज्य सरकार ने मेट्रो-10 प्रोजेक्ट को गति देने का निर्णय लिया है। यह 9.7 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर होगा, जो ठाणे के गायमुख रेतीबंदर को मीरा-भाईंदर के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक (घोड़बंदर) से जोड़ेगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया अगले हफ्ते शुरू हो जाएगी और इसे 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

दहिसर और ठाणे के बीच खत्म होगी ट्रैफिक की बाधा

इस नए रूट के जुड़ने से मुंबई मेट्रो का एक विशाल नेटवर्क तैयार हो जाएगा। दहिसर-काशीगांव रूट को गायमुख तक बढ़ाया जाएगा, जिससे घाटकोपर से ठाणे (कासारवडवली-गायमुख) और मीरा-भाईंदर मेट्रो आपस में जुड़ जाएंगी। इससे यात्रियों को मुंबई के पूर्वी उपनगरों से सीधे मीरा-भाईंदर तक बिना किसी रुकावट के मेट्रो सेवा मिल सकेगी।

तीन शहरों में पॉड टैक्सी

बीकेसी-कुर्ला की तर्ज पर अब ठाणे, मीरा-भाईंदर और नवी मुंबई में भी पॉड टैक्सी प्रोजेक्ट शुरू किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) आधार पर होगा। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के अनुसार, अगले 6 महीनों में इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार कर ली जाएगी। ट्रैफिक की सबसे बड़ी समस्या को हल करने के लिए घोड़बंदर रोड को 30 मीटर से बढ़ाकर 60 मीटर चौड़ा किया जाएगा। गायमुख और काशीगांव के बीच करीब 5.5 से 6 किमी के हिस्से के लिए एमएमआरडीए जमीन का अधिग्रहण करेगा। सड़क चौड़ीकरण का काम मॉनसून से पहले पूरा करने और महावितरण के पोल को 3 महीने में शिफ्ट करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

एकीकृत विकास की योजना

MMRDA और नगर निगमों (TMC और MBMC) के समन्वय से अलग-अलग सड़क परियोजनाओं के लिए भी जल्द टेंडर निकाले जाएंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की निगरानी में इन प्रोजेक्ट्स को समय सीमा के भीतर पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि MMR में बढ़ती आबादी के दबाव को कम किया जा सके।

1 रुपये जमा करने के लिए 20 किमी का सफर

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली एमआईडीसी क्षेत्र में लीज पर रहने वाले सैकड़ों परिवारों को हर साल केवल एक रुपये का भुगतान करने के लिए करीब 20 किलोमीटर दूर ठाणे स्थित कार्यालय जाना पड़ रहा है। यह मुद्दा जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान सामने आया, जिससे व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय नागरिकों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब देश डिजिटल युग की ओर बढ़ रहा है, तब भी एमआईडीसी द्वारा ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। इसे प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण बताया जा रहा है।

600 प्लॉटधारकों पर पड़ रहा असर

मिलापनगर आवासीय क्षेत्र में करीब 600 प्लॉट हैं, जिनमें औद्योगिक इकाइयों के साथ-साथ घर, स्कूल और व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी शामिल हैं। इन सभी प्लॉटधारकों को 99 साल की लीज के तहत हर वर्ष यह राशि जमा करनी होती है। इस समस्या को लेकर नागरिकों ने विधायक संजय केलकर से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तुरंत संपर्क कर ऑनलाइन भुगतान की सुविधा शुरू करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि एक सप्ताह के भीतर इस सुविधा को लेकर निर्णय लिया जाएगा, जिससे लोगों को अनावश्यक यात्रा से राहत मिल सके।

भीषण धमाके के साथ फटा केमिकल टैंकर

फायर ब्रिगेड की सूझबूझ से टली बड़ी जनहानि

डीबीडी संवाददाता । मीरा रोड

मीरा रोड के काशीमीरा इलाके में शुक्रवार को एक बड़ा औद्योगिक हादसा टल गया। शाह एसिड कंपनी में एसिड सप्लाई लेकर आया एक टैंकर अचानक भीषण धमाके के साथ फट गया, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि दमकल विभाग की तत्परता से समय रहते सभी फंसे हुए मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिया गया। घटना उस समय हुई जब शाह एसिड कंपनी में एसिड की सप्लाई लेकर एक टैंकर पहुँचा था। अचानक एक तेज धमाके के साथ टैंकर फट गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि टैंकर में भरा भारी मात्रा में एसिड बहकर पास की एक दूसरी कंपनी के परिसर में घुस गया, जिससे वहां काम कर रहे मजदूर चारों तरफ से घिर गए।

दमकल विभाग का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन

धमाके की सूचना मिलते ही मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुँची। एसिड के फैलाव के कारण दूसरी कंपनी में फंसे मजदूरों के लिए बाहर निकलना असंभव था। दमकल कर्मियों ने विशेष सुरक्षा उपकरणों की मदद से जोखिम उठाते हुए सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला और एक बड़ा हादसा होने से रोक लिया। धमाके की आवाज़ इतनी तेज थी कि आसपास के निवासियों में डर व्याप्त हो गया। धुएं और केमिकल की गंध के कारण एहतियात के तौर पर प्रशासन ने कुछ समय के लिए आसपास के क्षेत्र को खाली करा दिया और पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे (Cordon Off) में ले लिया। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, धमाके के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चला है, लेकिन शुरुआती तौर पर इसे केमिकल रिएक्शन या टैंकर में किसी तकनीकी खराबी का परिणाम माना जा रहा है। दमकल विभाग ने केमिकल के रिसाव को निष्क्रिय करने के लिए विशेष रसायनों और उपकरणों का छिड़काव किया ताकि आग लगने का खतरा न रहे।

सुरक्षा मानकों की कड़ी जांच

इस घटना के बाद प्रशासन ने शाह एसिड कंपनी के सुरक्षा मानकों की समीक्षा शुरू कर दी है। कंपनी को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाएं। फिलहाल पूरे परिसर की विस्तृत तकनीकी जांच की जा रही है।

मतदाता सूची का सटीक मानचित्रण जरूरी: चोक्कालिंगम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/ठाणे

मुख्य चुनाव अधिकारी एस. चोक्कालिंगम ने कहा कि मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची का पूर्ण मानचित्रण समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस मामले में महाराष्ट्र अन्य राज्यों से पीछे है और ठाणे व पालघर जैसे शहरी जिलों को विशेष रूप से तेजी से काम करने की जरूरत है। उन्होंने प्रशासनिक तंत्र को 90 से 94 प्रतिशत के लक्ष्य को पार करने के लिए समर्पित प्रयास करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि अधिकारियों को केवल कार्यालय तक सीमित न रहकर क्षेत्र में जाकर वास्तविक स्थिति को समझना चाहिए।

घर-घर जाकर सत्यापन और भू-चिह्नन जरूरी

चोक्कालिंगम ने स्पष्ट किया कि मतदाताओं के पते का सही मिलान इस अभियान की रीढ़ है। इसके लिए अधिकारियों को घर-घर जाकर भू-चिह्नन के साथ तस्वीरें लेने और अनुपस्थित मतदाताओं के घरों पर सूचना चिपकाने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान को व्यापक बनाने के लिए स्थानीय सामाजिक संस्थाओं और आवासीय सोसायटी के पदाधिकारियों की सहायता लेने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई जा सके।

डुप्लीकेट नाम और त्रुटियों पर सख्ती

उन्होंने मतदाता सूची में दोहराव और धुंधली तस्वीरों की समस्या को गंभीर बताते हुए कहा कि एक ही व्यक्ति के नाम दो स्थानों पर दर्ज होने की स्थिति को तत्काल ठीक किया जाना चाहिए। अधिकारियों को ऐसे मामलों में सक्रिय होकर सुधार करना होगा। ठाणे के जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने जिले में चल रहे जागरूकता अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न माध्यमों से लोगों तक पहुंच बनाई जा रही है और निर्धारित समय में लक्ष्य हासिल करने के प्रयास जारी हैं।

मीरा रोड के 'ऑर्चिड बार' पर पुलिस का छापा

गुप्त तहखाने से 16 लड़कियां रेस्क्यू, 3 नाबालिग भी शामिल

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा रोड इलाके में पुलिस ने अनैतिक व्यापार और अवैध गतिविधियों के खिलाफ एक बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक ऑर्केस्ट्रा बार पर की गई इस छापेमारी ने न केवल पुलिस की मुस्तैदी को साबित किया, बल्कि मानव तस्करी के एक स्याह पहलू को भी उजागर किया है। मीरा रोड (पूर्व) रेलवे स्टेशन के पास स्थित 'ऑर्चिड ऑर्केस्ट्रा बार' में अवैध गतिविधियों की गुप्त सूचना मिलने के बाद, डीसीपी राहुल चव्हाण के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से बार को चारों तरफ से घेरकर अचानक छापेमारी की।

गुप्त तहखाना

सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस को बार के भीतर एक संदिग्ध दीवार मिली, जिसकी बारीकी से जांच करने पर एक गुप्त तहखाना होने का पता चला। जब पुलिस ने उसे तोड़कर खोला, तो अंदर का नजारा चौंकाने वाला था। एक बेहद छोटे और दमघोंटू कमरे में 9 लड़कियों को छिपाकर रखा गया था। इसके अलावा 7 लड़कियां बार के स्टेज पर मौजूद थीं।

13 गिरफ्तार, मालिक अब भी फरार

मौके से पुलिस ने बार के 2 मैनेजर, 1 कैशियर और 10 वेटरों को हिरासत में लिया है। हालांकि, बार का मुख्य मालिक और संचालक पुलिस की भनक लगते ही फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है। नाबालिगों की मौजूदगी और लड़कियों को तहखाने में कैद रखने के तरीके को देखते हुए पुलिस अब इस मामले के तार अंतरराज्यीय मानव तस्करी गिरोह से जोड़कर देख रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन लड़कियों को यहाँ कहाँ से और किन हालातों में लाया गया था।

3 नाबालिगों का रेस्क्यू और पुनर्वास

बचाई गई कुल 16 लड़कियों में से 3 नाबालिग पाई गईं, जिसके बाद पुलिस ने मामले में पॉक्सो और बाल श्रम विरोधी कानूनों के तहत कार्रवाई तेज कर दी है। सभी रेस्क्यू की गई लड़कियों को सुरक्षित रूप से सरकारी पुनर्वास केंद्र (Shelter Home) भेज दिया गया है, जहाँ उनकी काउंसलिंग की जा रही है।

सीईआईआर पोर्टल से ट्रैक किए 15.68 लाख के 70 मोबाइल

शांतिनगर और निजामपुरा समेत 5 थानों की संयुक्त कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

जोन-2 पुलिस ने गुमशुदा संपत्ति मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 70 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत 15 लाख 68 हजार 800 रुपये बताई गई है। इस कार्रवाई से मोबाइल चोरी और गुमशुदगी के मामलों में पुलिस की सक्रियता सामने आई है। पुलिस के अनुसार, विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज मोबाइल गुमशुदगी मामलों की जांच तकनीकी माध्यम से की गई। मोबाइल फोन को ट्रैक कर उन्हें सफलतापूर्वक बरामद किया गया, जिससे आधुनिक तकनीक के उपयोग की प्रभावशीलता साबित हुई है।

अलग-अलग थाना क्षेत्रों से बरामदगी

इस अभियान के तहत निजामपुरा थाना क्षेत्र से 17, भोईवाडा से 8, भिवंडी शहर से 18, शांतिनगर से 20 और नारपोली थाना क्षेत्र से 7 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इस प्रकार कुल 70 मोबाइल फोन पुलिस ने रिकवर किए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से मोबाइल की लोकेशन और उसके उपयोग से जुड़ी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। जरूरत पड़ने पर मोबाइल को ब्लॉक कर उसका दुरुपयोग भी रोका जा सकता है।

श्मशान भूमि कर्मचारियों ने अर्थी निकालकर किया अनोखा विरोध

2 महीने से नहीं मिला वेतन

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

एमबीएमसी मनपा के ठेकेदारों द्वारा वेतन नहीं दिए जाने के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहे संविदा कर्मियों ने अर्थी निकालकर एमबीएमसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मीरा रोड स्थित जॉगर्स पार्क के पास श्मशान भूमि में विरोध प्रदर्शन के दौरान संविदा कर्मियों ने अपनी ही अंतिम संस्कार प्रक्रिया का मंचन कर प्रशासन की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा कर दिया। आखिरकार प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद केवल 22 कर्मियों को फरवरी तक का वेतन मिला।

ठेकेदारों को नोटिस, कार्रवाई की चेतावनी

अवरा एफएमएस एवं एन. डी. बंसोड नामक कंपनियों में प्रत्येक 22-22 कामगार नियुक्त किए गए हैं। वेतन नहीं मिलने से नाराज दोनों कंपनियों में कार्यरत संविदा कर्मियों के विरोध प्रदर्शन के बाद आनन-फानन में अवरा एफएमएस ने अपने 22 कर्मियों का फरवरी तक वेतन जारी कर दिया है। विभाग के आला अधिकारियों के अनुसार, वेतन नहीं मिलने की शिकायत के बाद दोनों ठेकेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। भविष्य में भी शिकायत मिलने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वेतन न मिलने से आर्थिक संकट

कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले दो महीनों से संबंधित दोनों ठेकेदारों ने वेतन नहीं दिया है। वेतन न मिलने से कर्मचारी गंभीर आर्थिक संकट में फंस गए हैं। ठेकेदार और महानगरपालिका से बार-बार मांग करने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया।

क्या है पूरा मामला?

ज्ञात हो कि मीरा-भाईंदर शहर में करीब 16 श्मशान भूमि हैं, जिनकी देखरेख के लिए एमबीएमसी ने दो कंपनियों को ठेका दिया है। दोनों कंपनियों ने समान रूप से 22-22 कर्मचारियों को नियुक्त किया है।

आपात स्थिति में गायब रहे अधिकारी

कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

कोनगांव ग्रामपंचायत क्षेत्र में प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। आपात स्थिति के दौरान संबंधित अधिकारी की कथित अनुपस्थिति को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पेड़ गिरने से हुआ नुकसान

जानकारी के अनुसार, 20 अगस्त 2025 को कोनगांव इलाके में एक दुकान पर बड़ा पेड़ गिर गया, जिससे आर्थिक नुकसान हुआ। राहत कार्य के दौरान 13 कर्मचारी मौके पर मौजूद थे, लेकिन ग्रामपंचायत अधिकारी मनीष महाजन के ड्यूटी से अनुपस्थित रहने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में विस्तार अधिकारी इंद्रजीत काले द्वारा जिला परिषद ठाणे को रिपोर्ट सौंपी गई है। रिपोर्ट में हादसे के समय संबंधित अधिकारी की अनुपस्थिति का जिक्र किया गया है, जिसके बाद उनकी कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं, नाराजगी बढ़ी

स्थानीय पत्रकार भगवानदास विश्वकर्मा ने आरोप लगाया है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने जिला परिषद ठाणे, पंचायत समिति भिवंडी और राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों को भी लिखित रूप में शिकायत भेजी है। सूत्रों के मुताबिक संबंधित अधिकारी पर पहले भी भ्रष्टाचार और वसूली जैसे आरोप लग चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया, जिससे मामले को लेकर संदेह और गहरा गया है। भगवानदास विश्वकर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर आरोपी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय के सामने उपोषण या आंदोलन शुरू किया जाएगा। इस चेतावनी के बाद प्रशासन एक बार फिर दबाव में आ गया है।

24 घंटे जलापूर्ति रहेगी बंद

कई इलाकों में कम दबाव से मिलेगा पानी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका ने शहरवासियों को सूचित किया है कि प्री-मानसून मरम्मत और रखरखाव कार्य के कारण 24 घंटे तक जलापूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। इस फैसले से शहर के कई इलाकों में पानी की समस्या उत्पन्न होने की संभावना है। मनपा प्रशासन के अनुसार, शनिवार 11 अप्रैल 2026 सुबह 9 बजे से रविवार 12 अप्रैल 2026 सुबह 9 बजे तक जलापूर्ति पूरी तरह ठप रहेगी। इस दौरान शहर को मिलने वाली मुख्य जलापूर्ति सेवा बंद रहेगी, जिससे नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

इन इलाकों में पड़ेगा असर

इस बंदी का असर ममता टाकी, चार्विद्रा गांव, पटेल नगर, नारपोली, शिवाजीनगर, कल्याण रोड, अंजूरफाटा, देवजीनगर, इस्लामपुरा, अवचितपाडा, म्हाडा कॉलोनी, शास्त्रीनगर, नेहरूनगर, मिल्लतनगर, कोटरगेट, कणेरी, पद्मानगर, अशोकनगर, भादवड और टेमघर सहित कई क्षेत्रों में देखने को मिलेगा। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद भी अगले एक दिन तक जलापूर्ति कम दबाव और सीमित मात्रा में हो सकती है। इससे लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता होगी।

चांदिवली सीट पर ईवीएम की होगी अग्निपरीक्षा

बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर 16-17 अप्रैल को जांच

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

चांदिवली विधानसभा सीट पर हुए 2024 के चुनाव परिणामों को लेकर एक बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद, अब इस निर्वाचन क्षेत्र में इस्तेमाल की गई ईवीएम (EVM) मशीनों की दो दिवसीय 'डायग्नोस्टिक जांच' की जाएगी। कांग्रेस नेता और चांदीवली से पूर्व उम्मीदवार नसीम खान ने चुनाव परिणामों में कथित गड़बड़ी और ईवीएम के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट

का दरवाजा खटखटाया था। जस्टिस सोमशेखर सुंदरेशन ने भ्रष्टाचार के आरोपों को तो खारिज कर दिया, लेकिन मशीनों के तकनीकी सत्यापन की अनुमति दे दी।

16 और 17 अप्रैल को दो दिवसीय जांच

अदालत के आदेश के अनुपालन में, राज्य चुनाव आयोग ने 16 और 17 अप्रैल की तारीखें तय की हैं। यह जांच मुंबई में होगी, जिसमें भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के विशेषज्ञ शामिल होंगे। जांच के दौरान चुनाव अधिकारी और याचिकाकर्ता नसीम खान द्वारा नियुक्त तकनीकी विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे।

चुनाव आयोग की बेबुनियाद दावे पर आपत्ति

नसीम खान के इस दावे पर कि 'महाराष्ट्र में पहली बार ऐसी जांच हो रही है', राज्य के मुख्य निर्वाचन कार्यालय ने कड़ी आपत्ति जताई है। आयोग ने स्पष्ट किया कि ईवीएम का निरीक्षण एक मानक प्रक्रिया का हिस्सा है और इसे 'पहली बार' कहना पूरी तरह बेबुनियाद है।

क्या थे चुनावी नतीजे?

दरअसल, साल 2024 में लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों में महायुति गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला था। चांदीवली सीट से शिवसेना उम्मीदवार दिलीप भाऊसाहेब लांडे को जीत मिली थी। उन्हें कुल 1,24,641 वोट मिले थे। वहीं, दूसरे नंबर पर कांग्रेस के खान मोहम्मद आरिफ (नसीम) थे। उन्हें 1,04,016 वोट मिले थे। नसीम खान ने ही बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने जांच के आदेश दिए हैं। नसीम खान ने हाईकोर्ट के आदेश को ऐतिहासिक बताया है।

दिव्यांगों के लिए सरकारी नौकरियों के खुलेंगे द्वार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

हर विभाग में बनेगी विशेषज्ञ कमेटी

महाराष्ट्र सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं ग्राहक संरक्षण विभाग ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब राज्य के हर सरकारी विभाग में एक 'विशेषज्ञ कमेटी' का गठन किया जाएगा, जो दिव्यांगों के लिए आरक्षित पदों की पहचान और उनकी पदोन्नति सुनिश्चित करेगी। राज्य सरकार के आदेशानुसार, प्रत्येक विभाग में इस कमेटी का नेतृत्व अपर मुख्य सचिव या प्रधान सचिव स्तर के अधिकारी करेंगे। कमेटी की संरचना को

समावेशी बनाया गया है, जिसमें संबंधित विभाग के दिव्यांग वर्ग के अधिकारी (विशेषज्ञ के रूप में), कार्य संचालन अधिकारी और नागरिक आपूर्ति विभाग के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे।

4 प्रतिशत आरक्षण और पदों की पहचान

दिव्यांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत सरकारी सेवाओं और पदोन्नति में दिव्यांगों को 4 प्रतिशत आरक्षण का वैधानिक अधिकार प्राप्त है। यह कमेटी सुनिश्चित करेगी कि विभाग के सभी संवर्गों में कौन से पद दिव्यांगों के लिए उपयुक्त हैं और उन्हें पारदर्शी तरीके से चिन्हित किया गया है या नहीं।

आधुनिक तकनीक और समीक्षा का प्रावधान

पदों का निर्धारण करते समय कमेटी 'सहायक तकनीक' और केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों को आधार बनाएगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चिन्हित किए गए पदों की हर 3 वर्ष में समीक्षा की जाएगी, ताकि बदलती तकनीक और कार्यशैली के अनुसार दिव्यांगों के लिए नए अवसर पैदा किए जा सकें। यदि कमेटी किसी विशेष पद को दिव्यांगों के लिए अनुपयुक्त मानती है, तो उसे केवल खारिज नहीं किया जा सकेगा। इसके लिए कमेटी को तर्कपूर्ण कारण सहित प्रस्ताव वरिष्ठ स्तर पर भेजना होगा। इससे मनमाने ढंग से पदों को आरक्षण से बाहर रखने की प्रवृत्ति पर रोक लगेगी। सरकार का मानना है कि इस निर्णय से न केवल दिव्यांगों को रोजगार मिलेगा, बल्कि प्रशासनिक ढांचे में उनकी सक्रिय भागीदारी भी बढ़ेगी। पदोन्नति में आरक्षण सुनिश्चित होने से दिव्यांग अधिकारियों का मनोबल बढ़ेगा और वे निर्णय लेने वाली प्रक्रियाओं का हिस्सा बन सकेंगे।

451 गैस सिलेंडर और लाखों का सामान जब्त

- राशन वितरण विभाग की उड़नदस्ता टीम की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राशन वितरण विभाग ने अवैध गैस भंडारण और परिवहन के खिलाफ बड़ा अभियान चलाते हुए महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई विभाग को मिली गोपनीय सूचना और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों पर की गई। वाडीबंदर ब्रिज, डोंगरी क्षेत्र में की गई इस कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से गैस सिलेंडर ले जा रहे 8

वाहनों को जब्त किया गया। इन वाहनों से कुल 451 सिलेंडर और करीब 40 लाख 61 हजार 716 रुपए का सामान बरामद किया गया।

ब्लैक मार्केटिंग पर सख्त रुख

विभाग के प्रमुख अधिकारी ने स्पष्ट किया कि आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी या अवैध भंडारण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रखने की चेतावनी दी गई है। इस अभियान को विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। विशेष टीम ने जाल बिछाकर इस अवैध गतिविधि को पकड़ा और पूरी कार्रवाई को सफल बनाया। इस ऑपरेशन में विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे, जिन्होंने समन्वय के साथ कार्रवाई को अंजाम दिया। उनकी सतर्कता और तत्परता के चलते यह बड़ी सफलता हासिल हुई।

टोल नाकों के पास लगेंगे किसान बाजार

- स्थानीय किसानों को मिलेगा सीधा लाभ

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

स्थानीय किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनके कृषि उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने एक नई पहल की तैयारी शुरू कर दी है। सार्वजनिक निर्माण विभाग के टोल नाकों के पास उपलब्ध जगहों को किसानों को किराये पर देकर 'किसान बाजार' शुरू करने के निर्देश सार्वजनिक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंह राजे भोसले ने दिए हैं। यह योजना फिलहाल प्रायोगिक आधार पर लागू की जाएगी।

मंत्री भोसले की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव मिलिंद म्हैसकर, सचिव (निर्माण) आबासाहेब नागरगोजे और सचिव (सड़क) राजभोज समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि टोल प्लाजा के आसपास खाली पड़ी जगहों का उपयोग किसानों के हित में किया जाए, ताकि उन्हें अपने उत्पाद बेचने के लिए एक स्थायी और सुविधाजनक स्थान मिल सके।

बारामती से नामांकन वापसी अंत नहीं, नई शुरुआत: सपकाल

डीबीडी संवाददाता । बारामती/मुंबई

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बारामती उपचुनाव को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि उम्मीदवार का नामांकन वापस लेना अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की राजनीतिक परंपरा और दिवंगत नेता अजित पवार को श्रद्धांजलि देने की भावना से यह निर्णय लिया गया है। सपकाल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की तुलना देश के सैनिकों से करते हुए कहा कि जैसे सैनिक सीमा की रक्षा करता है, वैसे ही कांग्रेस कार्यकर्ता संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। सपकाल

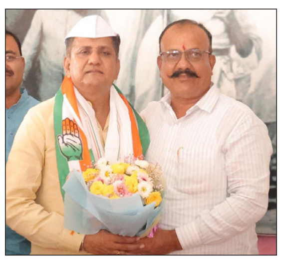

ने बारामती कांग्रेस कार्यालय में उपचुनाव से नामांकन वापस लेने वाले उम्मीदवार एडवोकेट आकाश मोरे सहित अन्य इच्छुक उम्मीदवारों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर पुणे ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्रीरंग चव्हाण, लहू अण्णा निवंगने, अशोक इंगुले, राहुल वाबळे समेत कई प्रमुख नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एफआईआर की मांग पर कायम कांग्रेस

सपकाल ने कहा कि दिवंगत अजित पवार के दुर्घटना मामले में एफआईआर दर्ज करने की कांग्रेस की मांग अब भी कायम है। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में अब तक इस मामले में कार्रवाई नहीं हुई, जबकि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने एफआईआर दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस अपने रुख से पीछे नहीं हटती और यही उसकी पहचान है।

भाजपा मीडिया विभाग में फेरबदल

- गोविंद येतयेकर प्रदेश मीडिया प्रमुख और ओमप्रकाश चौहान सह-मीडिया प्रमुख नियुक्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश मीडिया विभाग में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। गोविंद येतयेकर को प्रदेश मीडिया प्रमुख और ओमप्रकाश चौहान को सह-मीडिया प्रमुख नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों से पार्टी के मीडिया तंत्र को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की मौजूदगी में दोनों नेताओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने उनका स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

गोविंद येतयेकर का पत्रकारिता और सामाजिक अनुभव

गोविंद येतयेकर एक सक्रिय पत्रकार के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने सामाजिक और संगठनात्मक क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे उनके अनुभव का लाभ पार्टी के मीडिया विभाग को मिलने की उम्मीद है।

ओमप्रकाश चौहान का लंबा संगठनात्मक अनुभव

ओमप्रकाश चौहान पार्टी के पुराने और अनुभवी कार्यकर्ता हैं। वे लंबे समय से मीडिया विभाग से जुड़े रहे हैं और पार्टी की नीतियों को प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाने में उनकी अहम भूमिका रही है।

महापालिका के विकास निधि वितरण पर सियासत तेज

- सत्ताधारियों पर पक्षपात का आरोप
- सभी पार्षदों को समान निधि देने की मांग

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में विकास निधि के वितरण को लेकर राजनीतिक विवाद गहराता जा रहा है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड ने सत्ताधारी दल पर मनमानी और पक्षपात का आरोप लगाते हुए सभी दलों के नगरसेवकों को समान रूप से निधि देने की मांग की है। वर्षा गायकवाड ने कहा कि बीएमसी में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से विपक्षी दलों के नगरसेवकों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के नगरसेवकों को करोड़ों रुपए का विकास निधि दिया जा रहा है, जबकि कांग्रेस के नगरसेवकों को मात्र कुछ लाख रुपए देकर नजरअंदाज किया जा रहा है।

अन्य दलों को भारी फंड, कांग्रेस की अनदेखी पर सवाल

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि समाजवादी पार्टी, एमआईएम और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के नगरसेवकों को पर्याप्त निधि दी जा रही है, जबकि कांग्रेस को ही कम फंड दिया जा रहा है। गायकवाड ने पूछा कि आखिर इन दलों के साथ भाजपा के क्या हित संबंध हैं और कांग्रेस के साथ ही भेदभाव क्यों किया जा रहा है।

800 करोड़ के फंड में असमान वितरण का दावा

गायकवाड के अनुसार, स्थायी समिति को मिले 800 करोड़ रुपए के विकास निधि में सत्ताधारी नेताओं को भारी रकम आवंटित की गई है। भाजपा के कुछ नेताओं को 20 करोड़ रुपए तक का फंड दिया गया, वहीं उपमहापौर को 10 करोड़ रुपए मिले। भाजपा के प्रत्येक नगरसेवक को लगभग 2.25 करोड़ रुपए दिए गए, जबकि कई विपक्षी नगरसेवकों को केवल 25 लाख रुपए ही मिले। गायकवाड ने कहा कि बीएमसी का पैसा किसी पार्टी या नेता का निजी धन नहीं, बल्कि मुंबई की जनता का है और इसका उपयोग सभी क्षेत्रों के विकास के लिए समान रूप से होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि विकास निधि में इस तरह के भेदभाव को कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नहीं करेगी और इसके खिलाफ आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के नगरसेवक को कम निधि देना उस क्षेत्र के नागरिकों को विकास से वंचित करना है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह इस मुद्दे पर जवाब मांगने के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

मध्य रेल
सिग्नलिंग कार्य
मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी), प्रथम तल, पार्सल कार्यालय भारत के राष्ट्रपति और मध्य रेल, मुंबई सीएसटी 400001 की ओर से प्रतिष्ठित ठेकेदारों से खुली निविदाओं के लिए आमंत्रित किया गया है। **निविदा सूचना नं.: सीआर / बीबी / सं. एवं दु. सं / पूर्व / 2026 / 38, दि. 09.04.2026. कार्य का नाम**: मुंबई डिवीज़न के पूर्व सेक्शन में सीटीआर टीटीआर कार्यों के संबंध सिग्नलिंग का कार्य किया जा रहा है। **लगभग मूल्य**: रु. 2.07/- करोड़. **खुलने की तारीख़**: 30.04.2026. **ईएमडी**: रु. 4,14,700/-. **वैधता**: 60 दिन। **समापन अवधी**: 12 महीने। यह निविदा 15/06/2017 दिनांकित सार्वजनिक खरीद नीति (भारत में बनाओ) आदेश 2017 का अनुपालन करती है। निविदाओं का पूरा ब्यौरा मध्य रेलवे में उपलब्ध है। आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पूरी निविदा दस्तावेजों को वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। निविदाओं का पूरा विवरण मंडल रेल प्रबंधक (एस एंड टी) के कार्यालय, मुंबई सीएसटी के "नोटिस बोर्ड" में भी उपलब्ध है। AK-41
सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई
SRA/CO/OW/२०२६/१५६५०
सहकार कक्ष, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई
जा.क्र. झोपुप्रा/सनिस/कार्यासन-१/टे.सी.४/सन २०२६
दिनांक:०९/०४/२०२६
-:सर्वसाधारण सभेची नोटीस:-
(नियोजित) श्री दत्तप्रसाद एस. आर. ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था न. भू.क्र. १/क/१/७०५, मौजे-कांदिवली, ता. बोरीवली, भंडारी कंपाऊंड, आदर्श नगर, चारकोप पोईसर, लिंक रोड, कांदिवली (पश्चिम), मुंबई-४०००६७ या संस्थेचा प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्र. १४४ (ड) नुसार प्रस्ताव या विभागास प्राप्त झालेला आहे. सदर प्रस्तावाच्या अनुषंगाने सर्वसाधारण सभा आयोजित करण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक, (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई यांनी माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती केलेली आहे.
त्यानुसार सदरहू संस्थेची सर्वसाधारण सभा शुक्रवार, दिनांक २४/०४/२०२६ रोजी सायंकाळी ०५:०० वाजता, पत्ता: सिंधुदुर्ग जिल्हा एकात्मक मंडळ, २०/१०६ मालाड मालवणी शंकर सी. एच. एस, चारकोप, कांदिवली (पश्चिम), मुंबई-४०००६७ येथे आयोजित करण्यात आलेली आहे. सदरील सभेत खालील विषयावर चर्चा होवून निर्णय घेण्यात येणार आहे. तरी सदर सभेस संबंधित झोपडीधारकांनी उपस्थित रहावे ही विनंती.
-:सभेची विषय:-
१) मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
२) नियोजित संस्थेसाठी विकासक व वास्तुविशारद यांची निवड करणे.
(अरुण जाधव)
प्रधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी-१, झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई
ठिकाण: मुंबई
दिनांक : १०/०४/२०२६

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई
SRA/CO/OW/२०२६/१५६५०
सहकार कक्ष, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई
जा.क्र. झोपुप्रा/सनिस/कार्यासन-१/टे.सी.४/सन २०२६
दिनांक:०९/०४/२०२६
-:सर्वसाधारण सभेची नोटीस:-
(नियोजित) श्री दत्तप्रसाद एस. आर. ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था न. भू.क्र. १/क/१/७०५, मौजे-कांदिवली, ता. बोरीवली, भंडारी कंपाऊंड, आदर्श नगर, चारकोप पोईसर, लिंक रोड, कांदिवली (पश्चिम), मुंबई-४०००६७ या संस्थेचा प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्र. १४४ (ड) नुसार प्रस्ताव या विभागास प्राप्त झालेला आहे. सदर प्रस्तावाच्या अनुषंगाने सर्वसाधारण सभा आयोजित करण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक, (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई यांनी माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती केलेली आहे.
त्यानुसार सदरहू संस्थेची सर्वसाधारण सभा शुक्रवार, दिनांक २४/०४/२०२६ रोजी सायंकाळी ०५:०० वाजता, पत्ता: सिंधुदुर्ग जिल्हा एकात्मक मंडळ, २०/१०६ मालाड मालवणी शंकर सी. एच. एस, चारकोप, कांदिवली (पश्चिम), मुंबई-४०००६७ येथे आयोजित करण्यात आलेली आहे. सदरील सभेत खालील विषयावर चर्चा होवून निर्णय घेण्यात येणार आहे. तरी सदर सभेस संबंधित झोपडीधारकांनी उपस्थित रहावे ही विनंती.
-:सभेची विषय:-
१) मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
२) नियोजित संस्थेसाठी विकासक व वास्तुविशारद यांची निवड करणे.
(अरुण जाधव)
प्रधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी-१, झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई
ठिकाण: मुंबई
दिनांक : १०/०४/२०२६

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
क्रमांक: Asstt.Comm/H-East/92/SWM दिनांक: 11/04/2026
ई-निविदा सूचना

विभाग	सहायक आयुक्त H/पूर्व
महा टेंडर क्रमांक	2026_MCGM_1293142_1
विषय:	H/पूर्व वार्ड के ठोस कचरा प्रबंधन (Solid Waste Management) के अंतर्गत सांताक्रूज़ 1 चौकी पर मौसम-प्रतिरोधक (Weather-Resistant) एनक्लोजर तथा एक्सेस-कंट्रोल फ्रेमवर्क का निर्माण एवं स्थापना कार्य।
निविदा बिक्री अवधि	11/04/2026 को प्रातः 10:00 बजे से 17/04/2026 को शाम 16:00 बजे तक
बोली खोलने की तिथि:	18/04/2026 को 16:00 बजे
वेबसाइट	https://mahatenders.gov.in
संपर्क अधिकारी	AE (SWM) H/E, SE (SWM) H/E
नाम	श्री वैभव बिरारी (AE (SWM) H/E) – 9920253010 श्री सतीशकुमार सुलाखे (SE (SWM) H/E) – 9867205682
दूरभाष क्रमांक:	022-26138900
ईमेल आईडी	ae01heast.swm@mcgm.gov.in

हस्ता/-
पीआरओ/63/विज्ञा./2026-27 सहायक आयुक्त, H/पूर्व वार्ड
हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल
(महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक क्षेत्रीय इकाई)
म्हाडा MHADA
दूरभाष क्रमांक: 022-66405484, ई-मेल: eecityslum@gmail.com
संदर्भ क्रमांक: EE/City/MSIB/e-tender/06/2026-27
ई-निविदा सूचना क्रमांक: 06
कार्यकारी अभियंता (शहर) विभाग, मुंबई स्लम सुधार बोर्ड, (MHADA की इकाई), कक्ष क्रमांक 539, चौथी मंजिल, गृहनिर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400051, दूरभाष क्रमांक (022) 66405484 द्वारा, संबंधित उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों अथवा किसी भी सरकारी/अर्ध-सरकारी संस्था से, ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से B-1 (प्रतिशत दर) के रूप में कुल 16 कार्यों के लिए खुली/सामान्य ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध रहेंगे तथा वहीं से डाउनलोड किए जा सकते हैं। निविदा दस्तावेज बिक्री प्रारंभ दिनांक: 13.03.2026, 00:00 बजे से निविदा दस्तावेज बिक्री समाप्ति दिनांक: 20.04.2026, 15:00 बजे तक यदि कोई संशोधन / शुद्धिपत्र (Corrigendum / Amendments) जारी किए जाते हैं, तो वे केवल https://mahatenders.gov.in वेबसाइट पर ही प्रकाशित किए जाएंगे। सक्षम प्राधिकारी को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। शर्तयुक्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
Follow us: @mhadaofficial
CPRO/A/286
हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (शहर)
मुंबई स्लम सुधार बोर्ड, मुंबई
म्हाडा-राष्ट्र का अग्रणी गृहनिर्माण प्राधिकरण

संपादकीय

महिला आरक्षण बनाम सियासत

भारत की राजनीति में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 एक ऐतिहासिक कदम के रूप में पेश किया गया था। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का वादा लंबे समय से किया जाता रहा, और जब यह कानून संसद से पारित हुआ, तो इसे महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी के नए युग की शुरुआत माना गया। लेकिन अब, इस कानून के क्रियान्वयन और उससे जुड़े संशोधनों को लेकर जिस तरह की राजनीतिक हलचल दिखाई दे रही है, वह कई गंभीर सवाल खड़े करती है—क्या यह वास्तव में महिला सशक्तिकरण का मुद्दा है या फिर चुनावी रणनीति का एक हिस्सा? कांग्रेस द्वारा इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (INDIA) की बैठक बुलाना इस बात का संकेत है कि विपक्ष इस मुद्दे को केवल समर्थन या विरोध के दायरे में नहीं देख रहा, बल्कि इसके दूरगामी प्रभावों को समझना चाहता है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश का यह कहना कि सरकार ने इस कानून को चुनावी लाभ के लिए टालकर रखा, एक गंभीर आरोप है। अगर 2023 में कानून पारित हो चुका था, तो 2024 के चुनाव में इसे लागू क्यों नहीं किया गया? यह सवाल केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक भी है। दरअसल, इस पूरे विवाद के केंद्र में परिसीमन (Delimitation) का मुद्दा है, जिसे विपक्ष असली एजेंडा मान रहा है। महिला आरक्षण कानून के प्रावधानों के अनुसार, आरक्षण लागू करने से पहले जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। यही वह बिंदु है, जहां राजनीति और नीति का टकराव सामने आता है। परिसीमन का अर्थ है—जनसंख्या के आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटों का पुनर्निर्धारण। लेकिन भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में यह प्रक्रिया केवल तकनीकी नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील और राजनीतिक रूप से विस्फोटक है। दक्षिण भारत और छोटे राज्यों की चिंता यह है कि यदि जनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण होता है, तो उत्तर भारत के अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को लाभ मिलेगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसे में महिला आरक्षण के साथ परिसीमन को जोड़ना एक जटिल समीकरण बन जाता है, जो क्षेत्रीय असंतुलन को और बढ़ा सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का यह आरोप कि सरकार चुनावी लाभ के लिए विशेष सत्र बुला रही है, भी ध्यान देने योग्य है। अगर वास्तव में इस कानून में संशोधन या क्रियान्वयन को लेकर गंभीरता होती, तो सर्वदलीय बैठक बुलाकर व्यापक सहमति बनाई जा सकती थी। लोकतंत्र में ऐसे बड़े और संवेदनशील मुद्दों पर संवाद और सहमति ही सबसे मजबूत आधार होते हैं। लेकिन अगर संवाद की जगह आरोप-प्रत्यारोप हावी हो जाएं, तो नीति का उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। यह भी विचारणीय है कि महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को बार-बार राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया है। दशकों तक यह कानून लंबित रहा, और जब पारित हुआ, तब भी इसके लागू होने की समयसीमा स्पष्ट नहीं रखी गई। इससे यह धारणा बनती है कि महिलाओं के अधिकारों को वास्तविक सशक्तिकरण के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पश्चिम एशिया संकट और पेट्रोलियम किल्लत जैसे मुद्दों को भी कांग्रेस ने इसी बैठक में उठाया, जो यह दर्शाता है कि सरकार की नीतियों पर व्यापक असंतोष है। लेकिन इन सभी मुद्दों के बीच महिला आरक्षण का सवाल सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सीधे देश की आधी आबादी के प्रतिनिधित्व से जुड़ा है।

शख्सियत — कस्तूरबा गांधी

स्वाधीनता संग्राम की अडिग शक्ति और राष्ट्र की 'बा'

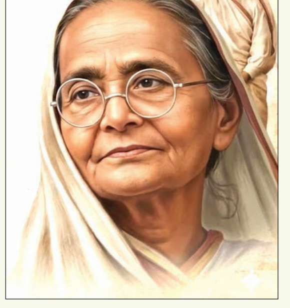

कस्तूरबा गांधी का जन्म 11 अप्रैल 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। वे महात्मा गांधी की धर्मपत्नी होने के साथ-साथ स्वयं में एक महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और दृढ़ इच्छाशक्ति की प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने अपने सरल जीवन और कठिन संघर्षों के माध्यम से भारतीय स्वाधीनता संग्राम में जो योगदान दिया, वह उन्हें 'बा' के रूप में अमर कर गया।

कस्तूरबा के संघर्ष की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका से हुई, जहां उन्होंने रंगभेद और भारतीय विवाहों को अमान्य करने वाले कानून के विरुद्ध पहली बार सक्रिय राजनीति में कदम रखा। इस दौरान उन्हें तीन महीने की कठिन जेल यात्रा सहनी पड़ी और जेल के भीतर खराब भोजन मिलने के कारण उनका स्वास्थ्य बुरी तरह गिर गया। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और महात्मा गांधी के अहिंसक सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप में जीकर दिखाया। दक्षिण अफ्रीका के इस संघर्ष ने उन्हें एक साधारण गृहिणी से एक प्रखर सत्याग्रही के रूप में परिवर्तित कर दिया। भारत लौटने पर साबरमती और सेवाग्राम आश्रम में उनका जीवन किसी कठिन तपस्या से कम नहीं था। महात्मा गांधी के आदर्शों और आश्रम के कठोर नियमों को अपनाना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी, विशेषकर छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध उनके कड़े स्टैंड को स्वीकार करना। एक प्रसंग के अनुसार, जब महात्मा गांधी ने आश्रम में दलितों को रखने का निर्णय लिया, तो कस्तूरबा ने अपनी प्रारंभिक हिचकिचाहट को त्यागकर उन्हें अपनी संतान की तरह प्रेम दिया। उन्होंने आश्रम के सभी श्रमसाध्य कार्यों को सेवा भाव के साथ पूरा किया, जो उनके व्यक्तित्व की विनम्रता और त्याग को दर्शाता है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान चंपारण सत्याग्रह से लेकर भारत छोड़ो आंदोलन तक, कस्तूरबा ने हर मोर्चे पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा जेल की सलाखों के पीछे बिताया; दक्षिण अफ्रीका और भारत के विभिन्न आंदोलनों को मिलाकर उन्होंने कुल मिलाकर लगभग 2 वर्ष 2 महीने जेल में व्यतीत किए। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के समय बीमार होने के बावजूद उन्होंने गिरफ्तारी दी और अंत तक देश के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन किया। कस्तूरबा गांधी की एक विशेषता यह भी थी कि वे केवल आंदोलनों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने महिलाओं को जागरूक करने और उन्हें स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। वे गांव-गांव जाकर स्वच्छता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश देती थीं। उन्होंने स्त्री-शक्ति को यह विश्वास दिलाया कि वे केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी पुरुषों की। इस दृष्टि से वे भारतीय नारी चेतना की अग्रदूत भी थीं। कस्तूरबा की महानता उनके मौन त्याग, अदम्य साहस और निडर व्यक्तित्व में झलकती है। वे केवल महात्मा गांधी की पत्नी नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की 'बा' थीं, जिन्होंने जेल की काली कोठरियों और अंग्रेजों की लाठियों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया। महात्मा गांधी ने स्वयं माना था कि उनके अहिंसा के विचार को पुख्ता करने में बा के धैर्य का बहुत बड़ा योगदान था। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि शांत रहकर किया गया निरंतर बलिदान ही राष्ट्र निर्माण की असली नींव होता है। उनका निधन 22 फरवरी 1944 को पुणे के आगा खां पैलेस में जेल प्रवास के दौरान ही हुआ, जहां उन्होंने अंतिम सांस तक सेवा, त्याग और देशभक्ति की अद्वितीय मिसाल कायम की।

कस्तूरबा गांधी विशेष

स्वाधीनता संग्राम की अडिग शक्ति और राष्ट्र की 'बा'

आलोक सिंह
अपर जिला सहकारी अधिकारी तहसील ऊंचाहार जनपद रायबरेली

आज की महिला शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी है। वह घर और कार्यक्षेत्र दोनों में अपनी पहचान बना रही है। लेकिन इसके साथ ही मानसिक दबाव, समय का अभाव और सामाजिक अपेक्षाओं का बोझ भी बढ़ा है। ऐसे समय में कस्तूरबा गांधी का जीवन हमें यह सिखाता है कि संतुलन बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि आंतरिक दृढ़ता, मूल्यों और कर्तव्यबोध से आता है। कस्तूरबा गांधी का जीवन इस सत्य को स्थापित करता है कि महानता बड़े पद या शक्ति में नहीं, बल्कि छोटे-छोटे निर्णयों और व्यवहार में छिपी होती है। आज, उनके जन्मदिन पर, यह स्मरण करना आवश्यक है कि एक सशक्त नारी वही है, जो अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समान महत्व दे, और हर परिस्थिति में अपने मूल्यों को जीवित रखे।

आज, कस्तूरबा गांधी का जन्मदिन है—एक ऐसा अवसर, जब हम केवल उनके योगदान को याद नहीं करते, बल्कि उनके जीवन के प्रसंगों से आज की नारी के लिए दिशा भी खोजते हैं। कस्तूरबा गांधी का व्यक्तित्व बहुआयामी था—वे एक साधारण परिवार की बेटी, एक परंपरागत बहू, एक समर्पित पत्नी, एक अनुशासित मां और एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी थीं। इन सभी भूमिकाओं को उन्होंने जिस संतुलन, त्याग और दृढ़ता के साथ निभाया, वही उन्हें "राष्ट्र की बा" बनाता है।

पोरबंदर में जन्मी कस्तूरबा का बचपन सादगी और संस्कारों में बीता। एक छोटा सा प्रसंग उनके व्यक्तित्व की नींव को समझने के लिए पर्याप्त है—घर में अतिथि आते तो वे बिना कहे सेवा में लग जातीं। यही सहज सेवा-भाव आगे चलकर उनके जीवन का मूल तत्व बना। आज की बेटियों के पास अवसर और शिक्षा अधिक है, लेकिन जीवन की तेज़ रफ्तार में यह संवेदनशीलता बनाए रखना एक चुनौती बनती जा रही है।

विवाह के बाद महात्मा गांधी के साथ उनका जीवन एक नए मोड़ पर आया। एक प्रसिद्ध घटना है, जब गांधीजी ने उनसे स्वयं शौचालय साफ करने को कहा। प्रारंभ में कस्तूरबा ने इसका विरोध किया—यह उनके संस्कारों के विरुद्ध था। लेकिन समय के साथ उन्होंने न केवल इसे स्वीकार किया, बल्कि पूरी निष्ठा से निभाया। यह प्रसंग उनके भीतर के परिवर्तन और अहं के त्याग को दर्शाता है। आज की बहू भी परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती है, लेकिन कस्तूरबा सिखाती हैं कि समझ के साथ किया गया परिवर्तन ही सच्ची प्रगति है।

दक्षिण अफ्रीका का एक प्रसंग उनके पत्नी रूप को नई ऊंचाई देता है। जब महात्मा गांधी ने सत्याग्रह में महिलाओं को भाग लेने के लिए प्रेरित किया, तब कस्तूरबा अस्वस्थ होने के बावजूद आगे आईं। उन्होंने जेल की कठिन परिस्थितियों को सहा, खराब भोजन के कारण उनका स्वास्थ्य भी गिरा, फिर भी उन्होंने अपने संकल्प को नहीं छोड़ा। यह दिखाता है कि वे केवल साथ निभाने वाली पत्नी नहीं थीं, बल्कि विचारों की सच्ची सहभागी थीं। आज की नारी भी जीवनसाथी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है, लेकिन उसे अपनी पहचान बनाए रखने के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ता है।

आश्रम जीवन का एक और प्रसंग उनके मां रूप को गहराई से उजागर करता है। जब उनके पुत्र ने नियम तोड़ा, तो उसे दंड मिला। एक मां होने के बावजूद उन्होंने उसके लिए कोई विशेष रियायत नहीं मांगी। उन्होंने अनुशासन को प्राथमिकता दी। यह घटना बताती है कि उनके लिए ममता का अर्थ केवल स्नेह नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन भी था। आज की माताएं अक्सर बच्चों को हर सुविधा देना चाहती हैं, लेकिन कस्तूरबा का जीवन सिखाता है कि सच्ची ममता बच्चों को संघर्ष के लिए तैयार करना है।

स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान अद्वितीय था। चंपारण से लेकर भारत छोड़ो आंदोलन तक, वे हर संघर्ष में अग्रिम पंक्ति में रहीं। 1942 के आंदोलन का एक मार्मिक प्रसंग है—गंभीर रूप से बीमार होने के बावजूद उन्होंने गिरफ्तारी दी और पुणे के आगा खां पैलेस में नजरबंदी झेली। वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। यह घटना उनके त्याग, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की चरम अभिव्यक्ति है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि राष्ट्रधर्म के आगे व्यक्तिगत कष्ट छोटे पड़ जाते हैं।

कस्तूरबा गांधी केवल आंदोलनों तक सीमित नहीं रहीं। वे गांव-गांव जाकर महिलाओं को स्वच्छता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का संदेश देती थीं। उन्होंने स्त्री-शक्ति को यह विश्वास दिलाया कि वह केवल घर की सीमाओं तक बंधी नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में उसकी बराबर की भूमिका है। इस दृष्टि से वे भारतीय नारी चेतना की अग्रदूत थीं।

आज की महिला शिक्षित, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी है। वह घर और कार्यक्षेत्र दोनों में अपनी पहचान बना रही है। लेकिन इसके साथ ही मानसिक दबाव, समय का अभाव और सामाजिक अपेक्षाओं का बोझ भी बढ़ा है। ऐसे समय में कस्तूरबा गांधी का जीवन हमें यह सिखाता है कि संतुलन बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि आंतरिक दृढ़ता, मूल्यों और कर्तव्यबोध से आता है।

कस्तूरबा गांधी का जीवन इस सत्य को स्थापित करता है कि महानता बड़े पद या शक्ति में नहीं, बल्कि छोटे-छोटे निर्णयों और व्यवहार में छिपी होती है। आज, उनके जन्मदिन पर, यह स्मरण करना आवश्यक है कि एक सशक्त नारी वही है, जो अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समान महत्व दे, और हर परिस्थिति में अपने मूल्यों को जीवित रखे। यही उनके जीवन का शाश्वत संदेश है—त्याग, सेवा और साहस से ही सच्चा व्यक्तित्व बनता है।

हमारी गीता

प्रज्ञावान पंडित कौन?

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

जीवन के रणक्षेत्र में जब भावनाएं विवेक पर भारी पड़ने लगती हैं, तब मनुष्य सही और गलत के बीच का अंतर खो बैठता है। यही स्थिति अर्जुन की भी थी, जब वह अपनों के मोह में अपने कर्तव्य से विचलित हो गया। उस क्षण भगवान श्रीकृष्ण ने केवल उपदेश नहीं दिया, बल्कि जीवन का शाश्वत सत्य उद्घाटित किया। गीता का यह आरंभिक संदेश हमें सिखाता है कि सच्चा ज्ञान केवल शब्दों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि परिस्थितियों में अडिग रहने की क्षमता है। मनुष्य स्वभावतः सुख चाहता है और दुख से बचना चाहता है। जब अर्जुन युद्धभूमि में विषाद से भर गया, तब उसने अपने कर्तव्य से पीछे हटते हुए धर्म और नीति की बातें करनी शुरू कर दीं। उसकी वाणी में ज्ञान था, परंतु वह ज्ञान वास्तविक नहीं, बल्कि मोह से उत्पन्न भ्रम था। इसी कारण भगवान मुस्कराते हैं और उसे सच्चे ज्ञान का बोध कराते हैं।

भगवान कहते हैं—

"अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे।
गतासूनगतासूंश्च नानुशोचन्ति पण्डिताः॥"

अर्थात, "तुम जिनके लिए शोक करना उचित नहीं, उनका शोक कर रहे हो और ऊपर से पंडितों जैसी बातें कर रहे हो। वास्तव में ज्ञानी व्यक्ति न तो मृतकों के लिए शोक करता है और न ही जीवितों के लिए।"

यहां "पंडित" शब्द का अर्थ केवल शास्त्रों का ज्ञाता नहीं है। "पण्डा" का अर्थ है—शुद्ध और विवेकपूर्ण बुद्धि। जिस व्यक्ति की बुद्धि स्थिर, निर्मल और सत्य को पहचानने वाली होती है, वही सच्चा पंडित है। वह जीवन और मृत्यु दोनों को समान दृष्टि से देखता है, क्योंकि उसे ज्ञात होता है कि आत्मा न कभी जन्म लेती है और न कभी मरती है। हमारी शिक्षा पद्धति में आज एक बड़ी कमी दिखाई देती है। हम ज्ञान के बजाय अंकों के पीछे भागते हैं। हम "मार्कार्थी" बनते जा रहे हैं, "विद्यार्थी" नहीं। गीता हमें यह सिखाती है कि सच्चा ज्ञान वह है, जो हमें जीवन के उतार-चढ़ाव में स्थिर बनाए रखे और सही निर्णय लेने की क्षमता दे। एक छोटा बच्चा जब उसका गुब्बारा फूट जाता है, तो वह जोर-जोर से रोता है। परंतु एक समझदार व्यक्ति जानता है कि गुब्बारा स्थायी नहीं था। उसी प्रकार, यह संसार भी परिवर्तनशील है—यहां सब कुछ नश्वर है।

जीवन ऊर्जा — महात्मा ज्योतिबा फुले : जन्म : 11 अप्रैल 1827 — जन्म

प्रार्थना करने वाले से बेहतर सहायता करने वाले होते हैं

महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था। वे एक महान समाज सुधारक, क्रांतिकारी विचारक और लेखक थे, जिन्होंने अपना जीवन वंचित वर्गों और महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने 1848 में पुणे में देश का पहला बालिका विद्यालय खोला और 1873 में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की। इनका निधन 28 नवंबर 1890 को पुणे में हुआ।

शिक्षा स्त्री और पुरुष दोनों के लिए समान रूप से आवश्यक है। स्वार्थ अलग-अलग रूप धारण करता है, कभी जाति का तो कभी धर्म का। मानव समाज की भलाई के लिए सत्य को अपनाना अनिवार्य है। परमेश्वर एक है और वह सभी का कर्ता-धर्ता है। बिना शिक्षा के मानव का जीवन अधूरा है। जातिवाद और अंधविश्वास प्रगति के सबसे बड़े दुश्मन हैं। जो व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझता है, वही सच्चा मनुष्य है। धर्म वही है जो मानवता की सेवा करे। यदि आप दूसरों की मदद नहीं कर सकते, तो कम से कम उन्हें नुकसान न पहुचाएं। समाज में बदलाव लाने के लिए खुद को बदलना जरूरी है। सच्चाई का मार्ग कठिन हो सकता है, लेकिन अंत में जीत उसी की होती है। ज्ञान ही शक्ति है, और अज्ञानता ही गुलामी का कारण है। महिलाओं को शिक्षित करना पूरे परिवार को शिक्षित करने के समान है। शूद्रों और अति-शूद्रों की मुक्ति का मार्ग केवल शिक्षा है। किसी भी समाज की उन्नति का पैमाना

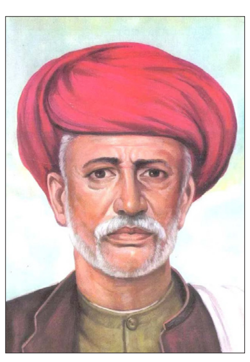

उसकी महिलाओं की उन्नति है। पाखंडी धर्मगुरुओं से सावधान रहना ही वास्तविक बुद्धिमत्ता है। प्रार्थना करने वाले होंठों से बेहतर सहायता करने वाले हाथ होते हैं। संघर्ष ही जीवन का दूसरा नाम है। स्वतंत्रता का अर्थ है अपने विचारों को व्यक्त करने की आजादी। समानता के बिना समाज में शांति संभव नहीं है। अपनी बुद्धि का उपयोग स्वयं के विवेक से करें, न कि दूसरों के कहे अनुसार। सत्यशोधक समाज का उद्देश्य सत्य की खोज और न्याय की स्थापना है। मनुष्य अपनी जाति से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से महान बनता है। अज्ञानता का अंधेरा केवल ज्ञान के प्रकाश से ही दूर हो सकता है। अधिकार मांगने से नहीं मिलते, उन्हें अर्जित करना पड़ता है। सच्चे समाज सुधारक को आलोचनाओं से डरना नहीं चाहिए।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

कर्म, भाग्य और व्यवहार का सत्य

एक बार एक राजा ने विद्वान ज्योतिषियों की सभा बुलाकर एक जिज्ञासा भरा प्रश्न पूछा—"मेरी जन्मपत्रिका में राजा बनने का योग था, इसलिए मैं राजा बना। किंतु उसी मुहूर्त में अनेक लोग जन्मे होंगे, वे राजा क्यों नहीं बने?" राजा का प्रश्न गूढ़ था। सभी ज्योतिषी मौन हो गए। तभी एक वृद्ध विद्वान खड़े हुए और बोले, "महाराज, आपके प्रश्न का उत्तर पास के वन में रहने वाले एक महात्मा दे सकते हैं।" राजा तुरंत घने जंगल की ओर निकल पड़ा। वहां उसने एक विचित्र दृश्य देखा—एक महात्मा अग्नि के पास बैठकर तप्त अंगार खा रहे थे। राजा ने अपना प्रश्न पूछा, पर महात्मा क्रोधित होकर बोले, "मुझे परेशान मत करो, आगे पहाड़ियों के बीच एक और महात्मा हैं, वही तुम्हें उत्तर देंगे।" राजा की जिज्ञासा और बढ़ गई। कठिन पहाड़ी मार्ग पार कर वह दूसरे महात्मा के पास पहुंचा। वहां का दृश्य और भी चौंकाने वाला था—वह महात्मा अपने शरीर का मांस नोचकर खा रहे थे। राजा ने भय और आश्चर्य से अपना प्रश्न रखा, तो उन्होंने भी उसे डांटते हुए कहा, "मेरे पास समय नहीं है। आगे एक आदिवासी गांव में एक बालक जन्म लेने वाला है, वही तुम्हें उत्तर देगा।" राजा व्याकुल होकर उस गांव की ओर दौड़ा। कुछ ही देर में एक बालक जन्मा। आश्चर्य की बात यह थी कि वह बालक जन्म लेते ही मुस्कराकर बोलने लगा, "राजन, मेरे पास समय कम है, ध्यान से सुनो। सात जन्म पहले हम चारों भाई राजकुमार थे। एक दिन शिकार के दौरान हम जंगल में भटक गए और तीन दिन तक भूखे-प्यासे रहे। तभी हमें आटे की एक पोटली मिली, जिससे हमने चार बाटियां बनाई।" बालक आगे बोला, "जैसे ही हम खाने बैठे, एक भूखा महात्मा वहां आया और हमसे भोजन मांगा। सबसे बड़े भाई ने क्रोध में कहा—'मैं भूखा हूं, तुम्हें क्यों दूं?' दूसरे भाई ने कहा—'क्या मैं अपना मांस नोचकर खाऊं?' तीसरे भाई ने भी उसे ठुकरा दिया। अंत में वह महात्मा आपके पास आया, और आपने प्रसन्नता से अपनी बाटी का आधा भाग उसे दे दिया।" "महात्मा ने आशीर्वाद दिया—'तुम्हारा भविष्य तुम्हारे कर्मों से फलेगा।' उसी कर्म के प्रभाव से आज आप राजा हैं, और हम तीनों अपने-अपने कर्मों का फल भोग रहे हैं।" इतना कहकर वह बालक प्राण त्याग देता है। राजा को अपने प्रश्न का उत्तर मिल चुका था। उसे समझ में आ गया कि केवल जन्मपत्रिका या योग ही जीवन का निर्धारण नहीं करते, बल्कि कर्म, कर्तव्य और व्यवहार ही वास्तविक फल देते हैं। वास्तव में, जीवन में तीन प्रकार के शास्त्र माने गए हैं ज्योतिष शास्त्र, कर्तव्य शास्त्र और व्यवहार शास्त्र। ज्योतिष संभावनाएं बताता है, कर्तव्य दिशा देता है, और व्यवहार उन संभावनाओं को वास्तविकता में बदलता है। यह कथा हमें सिखाती है कि मनुष्य अपने कर्मों का ही फल भोगता है। जैसे एक ही समय में खिलने वाले फूलों के रंग, रूप और सुगंध अलग-अलग होते हैं, वैसे ही एक ही मुहूर्त में जन्मे लोगों का जीवन भी उनके कर्मों के अनुसार भिन्न होता है। यह जीवन एक सरल सिद्धांत पर चलता है—गलत पासवर्ड से एक छोटा सा मोबाइल भी नहीं खुलता, तो गलत कर्मों से स्वर्ग के द्वार कैसे खुल सकते हैं? इसलिए हमें अपने कर्म, व्यवहार और कर्तव्य को शुद्ध और श्रेष्ठ बनाना चाहिए।

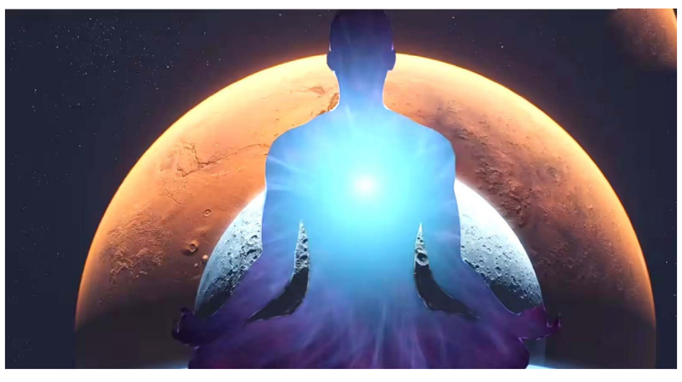

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

पाकिस्तान असल में एक डिप्लोमैटिक 'फिग लीफ' यानी कूटनीतिक पर्दे की तरह काम कर रहा है, जिससे अमेरिका को असहज स्थिति से बचने में मदद मिल रही है। दूसरे के सामने झुक रहे हैं। नई दिल्ली को भी आगे आना चाहिए, भले ही मध्यस्थता पाकिस्तान के जरिए हो रही हो।

-शशि थरूर
नेता, कांग्रेस

आपलोग ममता दीदी की क्षमताओं से अनजान हो। ममता दीदी ऐसे 2000 वीडियो बना सकती हैं। हुमायूं कबीर और भारतीय जनता पार्टी साउथ पोल और नॉर्थ पोल हैं, कभी हमारा मेल नहीं हो सकता। हम बंगाल में बाबरी मस्जिद बनाने वाले के साथ बैठने के बजाय और 20 साल विपक्ष में बैठना पसंद करेंगे।

-अमित शाह
गृहमंत्री, भारत

हम पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। हम खाड़ी क्षेत्र के देशों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री के निर्देश पर, हमारे मंत्री हमारी ऊर्जा सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए खाड़ी देशों का दौरा कर रहे हैं।

-रणधीर जायसवाल
प्रवक्ता, विदेश मंत्रालय

'मैं तो चाहता था कि वो प्रधानमंत्री के रूप में रिटायर हों। हमारे INDIA गठबंधन के कई साथियों की भी यही इच्छा थी कि वे देश का नेतृत्व करते हुए राजनीति से विदा लें, लेकिन अब वे राज्यसभा सदस्य के तौर पर रिटायर होंगे। सोचिए, बीजेपी ने उनके साथ कितना बड़ा धोखा किया है।

-अखिलेश यादव
अध्यक्ष, सपा

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

औषधि विशेषज्ञों के लिए सतत चिकित्सा शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सोलापुर। सोलापुर मंडल, मध्य रेलवे द्वारा डॉ. कोटनिस स्मारक रेलवे अस्पताल में औषधि विशेषज्ञों के लिए ज़ोन स्तर का सतत चिकित्सा शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दवाओं के सुरक्षित वितरण, आधुनिक तकनीक के उपयोग और मरीजों के बेहतर उपचार परिणामों पर विशेष जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में मुंबई, नागपुर, पुणे, भुसावल और सोलापुर मंडलों के चिकित्सक अधिकारी और औषधि विशेषज्ञों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में ममता शर्मा उपस्थित रहीं, जबकि सुषमा माटे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा और औषधि से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत व्याख्यान आयोजित किए गए। विद्या निरंजन ने अतिथि वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किए, जिससे प्रतिभागियों की जानकारी और कार्यकुशलता में वृद्धि हुई।

'हौसलों की उड़ान' करियर गाइडेंस प्रोग्राम का सफल आयोजन

भिवंडी। एस.आर. मैरिज ग्राउंड में 5 अप्रैल 2026 को नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड ह्यूमेनिटेरियन फेडरेशन ऑफ महाराष्ट्र और पीस हेल्पिंग फाउंडेशन द्वारा आयोजित "हौसलों की उड़ान" कार्यक्रम ने हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा प्रदान की। अब्दुल जब्बार शेख के नेतृत्व और नवेद शेख के संचालन में हुए इस भव्य आयोजन में डॉ. साबिर जमाल सैयद ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और आमिर अंसारी ने करियर के विविध विकल्पों पर गहराई से प्रकाश डाला, वहीं साइबर विशेषज्ञ मोहसिन सैयद ने सुरक्षा और पुलिस सेवा पर मार्गदर्शन दिया। एयरक्राफ्ट इंजीनियर अबूज़र शेख और सेना के शाबान खान जैसे दिग्गजों की उपस्थिति के बीच लगभग एक हजार छात्र-छात्राओं और अभिभावकों ने इस सत्र का लाभ उठाया। राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम में प्रोफेशनल कॉलेजों के स्टॉल्स ने छात्रों को जमीनी स्तर पर जानकारी मुहैया कराई, जिसे सफल बनाने में रफीउद्दीन फकीह बॉयज़ हाई स्कूल के वालंटियर्स और फेडरेशन की टीम का सराहनीय योगदान रहा।

आगामी फाइनेंशियल ईयर में मुंबई में 2538 घर बनाएगी म्हाडा

महाराष्ट्र में 13012 फ्लैट बनाने का लक्ष्य, 17430.73 करोड़ रुपये के बजट को मंज़ूरी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी ने वर्ष 2026-27 के लिए बड़ा आवासीय लक्ष्य तय किया है। मुंबई सहित पुणे, कोंकण, नासिक, अमरावती, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर मंडलों के माध्यम से कुल 13012 फ्लैट बनाए जाएंगे। इसके लिए निर्माण कार्य पर 10585.12 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान किया गया है। अथॉरिटी ने वर्ष 2026-27 के लिए 17430.73 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। वहीं, 2025-26 के संशोधित बजट को भी स्वीकृति दी गई है। इस बजट के जरिए राज्य में सस्ते आवास उपलब्ध कराने की दिशा में बड़े कदम उठाए जाएंगे।

कोंकण मंडल में सबसे ज्यादा 5112 घर

कोंकण मंडल में 5112 फ्लैट बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए 1497.64 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह राज्य में सबसे अधिक आवास निर्माण वाला क्षेत्र होगा। पुणे मंडल में 665, नागपुर में 2008, छत्रपति संभाजीनगर में 1483, नासिक में 237 और अमरावती में 969 फ्लैट बनाने की योजना है। इन सभी परियोजनाओं के लिए अलग-अलग बजट का प्रावधान किया गया है।

मुंबई में विभिन्न आय वर्ग के लिए 2538 घर

आने वाले वित्तीय वर्ष में मुंबई बोर्ड के तहत विभिन्न आय वर्ग के लोगों के लिए 2538 फ्लैट बनाने का प्रस्ताव है। इसके लिए 6747.42 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे शहर में किफायती आवास को बढ़ावा मिलेगा। मुंबई स्लम सुधार बोर्ड के तहत विधायक और सरकारी फंड से होने वाले कार्यों के लिए 2711.95 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं, भवन मरम्मत और पुनर्निर्माण बोर्ड के तहत जर्जर इमारतों की मरम्मत, अस्थायी आवास और पुनर्निर्माण के लिए 661.73 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं।

रामाश्रय पांडेय ने संभाला महाप्रबंधक पद

1990 बैच के वरिष्ठ अधिकारी ने ग्रहण किया कार्यभार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय रेल इंजीनियर्स सेवा के 1990 बैच के वरिष्ठ अधिकारी रामाश्रय पांडेय ने शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले वे पूर्व मध्य रेलवे, पटना में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण/दक्षिण) के पद पर कार्यरत थे। अपने लंबे और सफल कार्यकाल में पांडेय ने उत्तर पूर्व रेलवे के वाराणसी मंडल में मंडल रेल प्रबंधक और उत्तर रेलवे, नई दिल्ली में मुख्य इंजीनियर के रूप में कार्य किया है। इसके अलावा गोरखपुर, समस्तीपुर, रेलवे बोर्ड और हाजीपुर में भी उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। रेल विकास निगम लिमिटेड में समूह महाप्रबंधक के रूप में उन्होंने कई महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा कराया। उनके अनुभव ने रेलवे के विकास कार्यों को नई दिशा देने में अहम योगदान दिया है। रामाश्रय पांडेय ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से बी.टेक और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से एम.टेक की डिग्री हासिल की है। इसके साथ ही उन्होंने इटली, सिंगापुर, मलेशिया, स्पेन, तुर्की और नॉर्वे जैसे देशों में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया है। रेल परिचालन, आधारभूत संरचना और प्रशासनिक प्रबंधन में उनका व्यापक अनुभव रहा है। वे अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच अपनी कार्यशैली और नेतृत्व क्षमता के कारण लोकप्रिय माने जाते हैं।

आंबेडकर जयंती पर 13 और 14 अप्रैल को विशेष टूर सर्किट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा 13 और 14 अप्रैल 2026 को विशेष टूर सर्किट का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल के तहत मुंबई, नाशिक और नागपुर आने वाले पर्यटकों और अनुयायियों के लिए यात्रा पूरी तरह निःशुल्क रखी गई है। इसका उद्देश्य डॉ. आंबेडकर के जीवन, विचारों और सामाजिक योगदान को आमजन और नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

महत्वपूर्ण स्थलों का कराया जाएगा भ्रमण

इस टूर सर्किट में मुंबई के चैत्यभूमि (दादर), राजगृह, आंबेडकर भवन (वडाला), बीआईटी चाल (परेल), सिद्धार्थ महाविद्यालय और फोर्ट क्षेत्र जैसे स्थान शामिल हैं। वहीं नाशिक में मुक्तिभूमि, त्रिरश्मी गुफाएं और कालाराम मंदिर तथा नागपुर में दीक्षाभूमि, चिंचोली स्थित संग्रहालय और कामठी का ड्रैगन पैलेस भी इस यात्रा का हिस्सा होंगे। तीनों शहरों में यात्रा सुबह 10 बजे से शुरू होगी। पर्यटकों के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की गई है, जिसमें "पहले आएं, पहले पाएं" के आधार पर भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। यात्रा के दौरान टूर गाइड, अल्पाहार और पेयजल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रत्येक शहर में प्रतिदिन दो बसें संचालित होंगी, जिससे अधिक से अधिक लोग इस पहल का लाभ उठा सकें।

सांताक्रुज और गोरेगांव स्टेशनों के बीच जम्बो ब्लॉक

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रैक, सिगनलिंग तथा ओवरहेड उपकरणों के रख-रखाव हेतु रविवार, 12 अप्रैल, 2026 को सांताक्रुज एवं गोरेगांव स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर 10:00 बजे से 15:00 बजे तक पाँच घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जाएगा। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान फास्ट लाइन की सभी उपनगरीय ट्रेनों को सांताक्रुज एवं गोरेगांव स्टेशनों के बीच धीमी लाइनों पर परिचालित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इस ब्लॉक के कारण कुछ उपनगरीय सेवाएँ निरस्त रहेंगी, जबकि कुछ बोरीवली एवं अंधेरी सेवाओं को हार्बर लाइन पर गोरेगांव तक चलाया जाएगा।

विकसित भारत के लिए कॉस्ट ऑडिट सिस्टम को मजबूत करने की अपील

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि विकसित भारत की दिशा में बढ़ते हुए कॉस्ट ऑडिट सिस्टम को मजबूत करना बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि एक पारदर्शी, कुशल और प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के निर्माण में कॉस्ट ऑडिट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत का विचार केवल आर्थिक विकास या औद्योगिक विस्तार तक सीमित नहीं है। देश की प्रगति के लिए हर संसाधन और हर निर्णय का प्रभावी और संतुलित उपयोग आवश्यक है।

वित्तीय प्रबंधन का रणनीतिक साधन है कॉस्ट ऑडिट

उन्होंने कॉस्ट ऑडिट को वित्तीय प्रबंधन का एक रणनीतिक साधन बताते हुए कहा कि इससे कार्यक्षमता बढ़ती है, अपव्यय कम होता है और विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है। साथ ही, वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में लागत दक्षता का महत्व और बढ़ गया है। राज्यपाल ने कहा कि कॉस्ट ऑडिट बुनियादी ढांचा, ऊर्जा, स्वास्थ्य, दूरसंचार, शिक्षा और आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन क्षेत्रों की कीमतें सीधे आम नागरिकों को प्रभावित करती हैं, इसलिए यहां दक्षता और निगरानी जरूरी है।

छात्रों को पेशेवर अवसरों के प्रति जागरूक होने की सलाह

राज्यपाल ने बताया कि राज्य में बड़ी संख्या में छात्र उच्च और पेशेवर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों से इस क्षेत्र में उपलब्ध पेशेवर अवसरों के बारे में जानकारी लेने और करियर के रूप में इसे अपनाने की अपील की। उन्होंने संस्थान से अपील की कि वह छोटे शहरों और शैक्षणिक संस्थानों में जाकर अपने पाठ्यक्रमों और परीक्षाओं के बारे में जागरूकता फैलाए, ताकि अधिक से अधिक छात्र इस क्षेत्र से जुड़ सकें और देश के विकास में योगदान दे सकें।

गर्मियों में यात्रियों को राहत, कई स्पेशल ट्रेनों की सेवा जारी

पंढरपुर-तिरुपति स्पेशल के अतिरिक्त ट्रिप घोषित

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

गर्मियों की छुट्टियों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए सोलापुर डिवीज़न, सेंट्रल रेलवे ने पंढरपुर-तिरुपति वीकली स्पेशल ट्रेन सेवा को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। ट्रेन नंबर 07012 तिरुपति-पंढरपुर स्पेशल अब 11 अप्रैल 2026 तक हर शनिवार को चलेगी, जबकि ट्रेन नंबर 07032 पंढरपुर-तिरुपति स्पेशल 12 अप्रैल 2026 तक हर रविवार को संचालित होगी।

बेंगलुरु कैंटोनमेंट-कलबुर्गी रूट पर 6 अतिरिक्त ट्रिप

यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए बेंगलुरु कैंटोनमेंट-कलबुर्गी वीकली स्पेशल ट्रेन को भी बढ़ाया गया है। ट्रेन नंबर 06207 अब 25 अप्रैल 2026 तक हर शनिवार को चलेगी, जबकि ट्रेन नंबर 06208 कलबुर्गी-बेंगलुरु कैंटोनमेंट स्पेशल 26 अप्रैल 2026 तक हर रविवार को संचालित होगी।

SMVT बेंगलुरु-बीदर बाई-वीकली सेवा भी जारी

रेलवे ने SMVT बेंगलुरु-बीदर बाई-वीकली स्पेशल ट्रेन सेवा को भी जारी रखा है। ट्रेन नंबर 06539 अब 26 अप्रैल 2026 तक हर शुक्रवार और रविवार को चलेगी, जबकि ट्रेन नंबर 06540 बीदर-SMVT बेंगलुरु स्पेशल 27 अप्रैल 2026 तक हर शनिवार और सोमवार को संचालित होगी।

कोलंबो डॉकयार्ड अब मझगांव डॉक की सहायक इकाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड कोलंबो डॉकयार्ड में 51 प्रतिशत नियंत्रक हिस्सेदारी खरीद ली है, जिसके बाद यह कंपनी उसकी सहायक इकाई बन गई है। इस सौदे में कुल 26.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया गया है। यह मझगांव डॉक का पहला अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है। अधिग्रहण के बाद कोलंबो डॉकयार्ड के निदेशक मंडल का पुनर्गठन किया गया है। मझगांव डॉक के प्रतिनिधियों को बोर्ड में शामिल किया गया है, जबकि मौजूदा प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अपने पद पर बने रहेंगे।

51 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण

ऐतिहासिक अनुबंध से मिली मजबूती

रणनीतिक सहयोग के चलते कोलंबो डॉकयार्ड को अपने इतिहास का सबसे बड़ा जहाज निर्माण अनुबंध प्राप्त हुआ है। इस अनुबंध के तहत उन्नत तकनीक वाले केबल बिछाने और मरम्मत करने वाले जहाजों का निर्माण किया जाएगा, जिनकी आपूर्ति आगामी वर्षों में की जानी है। इससे कंपनी की वैश्विक पहचान और क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है। हाल ही में एक समझौते के तहत कोलंबो डॉकयार्ड को भारत की ड्रेजिंग कंपनी का पसंदीदा मरम्मत और रखरखाव सहयोगी बनाया गया है। इसके अलावा अन्य भारतीय शिपिंग कंपनियों के साथ भी सहयोग बढ़ाने की दिशा में प्रयास जारी हैं, जिससे दोनों देशों के बीच समुद्री सेवाओं का नेटवर्क और मजबूत होगा। मझगांव डॉक ने चालू वित्तीय वर्ष में कोलंबो डॉकयार्ड के राजस्व और लाभ में 20 प्रतिशत तक वृद्धि का लक्ष्य रखा है।

शिक्षकों के लिए विशेष कार्यशाला

स्कूलों से सिखाई जाएगी यातायात सुरक्षा

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

बढ़ते यातायात जाम और सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलिस विभाग और शिक्षा विभाग ने संयुक्त पहल की है। इसका उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में अनुशासन, सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करना है। ठाणे यातायात नियंत्रण कक्ष में 15 से 22 अप्रैल 2026 तक शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस पहल के तहत प्रत्येक स्कूल और कनिष्ठ महाविद्यालय में 'यातायात सुरक्षा दल' और 'नागरिक सुरक्षा दल' का गठन किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में ठाणे संभाग के प्रत्येक स्कूल से कम से कम एक शिक्षक भाग लेगा। कार्यक्रम के दौरान सुबह-शाम अभ्यास, यातायात नियंत्रण और कक्षा सत्रों के माध्यम से आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार और अग्निशमन जैसी जानकारी दी जाएगी। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को विकसित करना है। प्रशिक्षण के बाद शिक्षक अपने-अपने स्कूलों में विद्यार्थियों को इन विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। यह प्रशिक्षण पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा। संबंधित अधिकारी और समन्वयक मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए काम करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से विद्यार्थियों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और दुर्घटनाओं को कम करने में मदद मिलेगी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष लाभ के अवसर हाथ आएंगे। बाहरी सहायता से कार्यों में गति आएगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। शारीरिक कष्ट की आशंका है, अतः लापरवाही से बचें। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

वृष चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की आशंका है। विवाद को बढ़ावा न दें। अतिउत्साह हानिप्रद रहेगा। कुसंगति से बचें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी उलझन में फंस सकते हैं। विवेक से निर्णय लें। सार्वजनिक स्थान पर लोगों का ध्यान नहीं खींच पाएंगे। धैर्य रखें।

मिथुन संबंधियों तथा मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा। स्वास्थ्य कमजोर होगा।

कर्क दु:खद समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। आय होगी।

सिंह स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा, साक्षात्कार व करियर संबंधी कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी।

कन्या शैक्षणिक व शोध इत्यादि कार्यों के परिणाम सुखद रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी कार्य में उत्साह व प्रसन्नता से सफलता प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेशादि लाभदायक रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। जल्दबाजी न करें।

तुला यात्रा लाभदायक रहेगी। काफी समय से रुका हुआ धन प्राप्ति के आसार हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

वृश्चिक राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धार्मिक कृत्यों में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता रहेगी। थकान महसूस होगी। किसी लंबे प्रवास की योजना बनेगी।

धनु बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। प्रतिद्वंद्वी पस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई रुका हुआ कार्य पूर्ण होने के योग हैं।

मकर घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। लंबे प्रवास की योजना बनेगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी से बचें।

कुंभ नई योजना बनेगी। पुराने किए गए निर्णयों का लाभ अब प्राप्त होगा। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। नए कार्यकारी अनुबंध हो सकते हैं। नौकरी में चैन रहेगा। घर में तनाव रह सकता है।

मीन किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। फालतू खर्च होगा। असमंजस रहेगा। निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। अशुभ समय।

पितृदोष का रहस्य: कैसे बनता है, क्यों देता है कष्ट और कैसे बदलता है जीवन की दिशा

प्रियंका जैन
97699 94439

वैदिक ज्योतिष में "पितृदोष" एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय माना जाता है। आज के समय में लगभग हर दूसरी कुंडली में किसी न किसी रूप में पितृदोष देखने को मिल जाता है, जिससे यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर पितृदोष होता क्या है, यह कैसे बनता है और जीवन में किस प्रकार की समस्याएं उत्पन्न करता है। वास्तव में पितृदोष केवल ग्रहों का साधारण दोष नहीं है, बल्कि यह हमारे पूर्वजों, उनके कर्मों और हमारी आत्मा के बीच एक गहरा कर्मिक संबंध दर्शाता है। जब यह संबंध असंतुलित हो जाता है, तब जीवन में अनचाही बाधाएं, संघर्ष और रुकावटें दिखाई देने लगती हैं। पितृदोष बनने का मुख्य कारण कुंडली में उन भावों और ग्रहों का दूषित होना है, जो पितरों, धर्म, भाग्य और पूर्व जन्म के कर्मों का प्रतिनिधित्व करते हैं। विशेष रूप से 9वां भाव (भाग्य और पितृ), 5वां भाव (पूर्व जन्म और संतान), सूर्य (पिता का कारक), गुरु (धर्म और आशीर्वाद) और चंद्रमा (मन और संस्कार) जब अशुभ ग्रहों जैसे राहु, केतु और शनि से पीड़ित हो जाते हैं, तब पितृदोष का निर्माण होता है। जब ये ग्रह नीच अवस्था में हों, अस्त हो जाएं या पाप ग्रहों की दृष्टि में आ जाएं, तब यह दोष और भी प्रबल हो जाता है। पितृदोष दो प्रकार का होता है—सामान्य और गंभीर।

जब पितृदोष बनाने वाले ग्रह बलवान होते हैं या शुभ स्थानों में स्थित होते हैं, तब इसका प्रभाव हल्का होता है और जीवन में ज्यादा बाधाएं नहीं आतीं। लेकिन जब यही ग्रह अशुभ स्थिति में होते हैं, पाप ग्रहों से ग्रसित होते हैं या कई प्रकार से पीड़ित होते हैं, तब यह दोष गंभीर रूप ले लेता है और व्यक्ति के जीवन में लगातार संघर्ष बना रहता है। पितृदोष के प्रभाव से जीवन के कई महत्वपूर्ण क्षेत्र प्रभावित होते हैं। सबसे पहले इसका असर व्यक्ति के भाग्य और उन्नति पर पड़ता है। ऐसे व्यक्ति को मेहनत के बावजूद सफलता नहीं मिलती, बार-बार प्रयास करने पर भी काम बनते-बनते बिगड़ जाते हैं। रोजगार में स्थिरता नहीं रहती, व्यापार में घाटा होता है या नौकरी में प्रमोशन रुक जाता है। कई बार व्यक्ति योग्य होने के बावजूद अपने स्तर से नीचे जीवन जीने को मजबूर हो जाता है।

घर-परिवार के स्तर पर भी पितृदोष का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। घर में सुख-शांति का अभाव रहता है, बिना किसी बड़ी वजह के विवाद और तनाव बने रहते हैं। शुभ कार्यों में बार-बार विघ्न आते हैं, विवाह में देरी होती है या वैवाहिक जीवन में असंतोष बना रहता है। कई बार संतान सुख में भी बाधा आती है या संतान से संबंधित चिंताएं बनी रहती हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि हर व्यक्ति में पितृदोष के सभी लक्षण नहीं दिखाई देते, लेकिन इनमें से कुछ समस्याएं अवश्य होती हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि पितृदोष कुंडली के किस भाव में बना है और किन ग्रहों के कारण उत्पन्न हुआ है। उदाहरण के लिए, यदि यह दोष 10वें भाव से जुड़ा है, तो करियर और कार्यक्षेत्र में बाधाएं आएंगी, जबकि 5वें भाव से जुड़ा होने पर संतान और शिक्षा में समस्याएं हो सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल में सट्टेबाजी करते भाजपा नेता समेत छह गिरफ्तार

मथुरा। यूपी के मथुरा में थाना सदर बाजार पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए शिवधाम कॉलोनी, औरंगाबाद स्थित मकान से छापेमारी करते हुए आईपीएल की सट्टेबाजी करने वाले छह युवकों को गिरफ्तार किया। इनमें एक भाजपा का मंडल उपाध्यक्ष भी शामिल है। पुलिस ने मौके से 11 मोबाइल, लैपटॉप, चार्जर, कैल्कुलेटर, एक्सटेंशन बोर्ड, तीन नोटबुक (सट्टा डायरी), दो पैन, चेकबुक के अलावा एक लाख 63 हजार 530 रुपये नकद बरामद किये हैं। पिछले कुछ समय से शहर में आईपीएल की बुकी चलाकर सट्टेबाजी करने वालों की शिकायत पुलिस को मिल रही थी। एसएसपी श्लोक कुमार ने आईपीएल की सट्टेबाजी करने वालों की धरपकड़ को क्राइम ब्रांच टीम को लगाया था। बुधवार रात करीब पौने 12 बजे को सीओ सिटी आशना चौधरी के नेतृत्व में एसओजी टीम व थाना सदर बाजार टीम ने शिवधाम कॉलोनी औरंगाबाद स्थित लक्की सैनी के घर पर छापेमारी करते हुए आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा लगाने वाले छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस की छापेमारी से आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने इन युवकों के पास से 11 मोबाइल, लैपटॉप, चार्जर, कैल्कुलेटर, एक्सटैंशन बोर्ड, तीन नोटबुक (सट्टा डायरी), दो पैन, चैकबुक के अलावा एक लाख 63 हजार 530 रुपये नकदी बरामद की।

छोटे मन से कोई बड़ा नहीं हो सकता : राजनाथ सिंह

नोएडा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को गौतम बुद्ध नगर स्थित नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते उन्होंने कहा कि छोटे मन का व्यक्ति हमेशा ईर्ष्या कुंठा और हताशा के दौर से गुजरता है। उसके जीवन में सुख की प्राप्ति नहीं होती है। छोटेपन के व्यक्तित्व के आदमी के जीवन में आनंद की प्राप्ति नहीं होती। परम आनंद की बात तो बहुत दूर की है। उन्होंने कहा कि आप अपना मन जितना बड़ा करते चले जाओगे खुशियां और सुख की मात्रा बढ़ती चली जाएगी, आनंद की मात्रा बढ़ती चली जाएगी। उन्होंने कहा कि जितना मन बड़ा करोगे उतना ही परम आनंद पाओगे। उन्होंने कहा कि परम आनंद की कोई मात्रा नहीं दर्शाई गई है। अगर जीवन में सुख प्राप्त करना चाहते हो, आनंद प्राप्त करना चाहते हो तो इस बात का बराबर ध्यान रखना की मन मे छोटापन मत आने दो। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई जी कहते थे कि छोटे मन से कोई बड़ा नहीं हो सकता, और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं हो सकता।उन्होंने कहा कि दुनिया के ज्यादातर बुद्धिमान लोग सिर्फ कमर्शियल फायदे के लिए विज्ञान की खोज और विज्ञान का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी और विज्ञान का उपयोग इंसान की जिंदगी बेहतर बनाने की बजाय खुद के फायदे के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के वैज्ञानिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मदद से गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए काम कर रहे हैं।

यूपी बनेगा मेडिकल हब

फार्मा और डिवाइस पार्क से सस्ता होगा इलाज

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य को चिकित्सा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। प्रदेश सरकार अब मेडिकल डिवाइस और फार्मा पार्क विकसित कर रही है, जहां आईआईटी के इंजीनियर और डॉक्टर्स मिलकर नए उपकरणों और दवाओं पर शोध करेंगे। इन पार्कों के निर्माण से राज्य में चिकित्सा उपकरणों और दवाओं का उत्पादन स्थानीय स्तर पर होगा, जिससे मरीजों को न केवल बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि इलाज भी पहले की तुलना में काफी सस्ता और सुलभ हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे में आए बदलाव को आंकड़ों के माध्यम से स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि 10 साल पहले उत्तर प्रदेश में केवल 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे।

10 वर्षों में चिकित्सा शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार

मेडिकल कॉलेजों की संख्या अब बढ़कर 81 हो गई है। इसके साथ ही प्रदेश में दो एम्स (AIIMS) संचालित हैं और हर जिले में आईसीयू (ICU) की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। पीजीआई और केजीएमयू जैसे प्रमुख संस्थानों में टेली-आईसीयू और टेली-कन्सल्टेंसी जैसी आधुनिक सुविधाओं को जोड़कर स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया गया है।

'बीमारू' श्रेणी से बाहर और आर्थिक सहायता में वृद्धि

योगी आदित्यनाथ के अनुसार, यूपी अब 'बीमारू' राज्यों की सूची से बाहर आ चुका है। सरकार गरीबों के इलाज के लिए भारी निवेश कर रही है, जिसका प्रमाण मुख्यमंत्री रिलीफ फंड से आवंटित 1400 करोड़ रुपये की राशि है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से जनता को 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुरक्षा दी जा रही है। इन योजनाओं के कारण अब आम नागरिक को इलाज के भारी-भरकम खर्च की चिंता नहीं करनी पड़ती।

बचाव और जागरूकता पर सीएम का विशेष बल

जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ी है। विकसित भारत के संकल्प को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सशक्त राष्ट्र के लिए नागरिकों का स्वस्थ होना अनिवार्य है। उन्होंने गंभीर बीमारियों, विशेषकर हृदय रोगों के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई और विशेषज्ञों से अपील की कि वे उपचार से ज्यादा 'बचाव और जागरूकता' पर ध्यान दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जीवनशैली में बदलाव और बीमारी के लक्षणों की समय पर पहचान के जरिए कई गंभीर संकटों को टाला जा सकता है, जो विकसित और स्वस्थ उत्तर प्रदेश की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। वहीं वाराणसी में ही एक होम्योपैथिक कॉलेज का भी तेजी से निर्माण कार्य पूरा किया जा रहा है।

अस्पताल की दहलीज पर शर्मसार हुई मानवता

ऑपरेशन का डर दिखाकर निकाला, सड़क पर हुई डिलीवरी

एजेंसी । शामली

उत्तर प्रदेश के शामली जनपद में स्वास्थ्य विभाग की एक बेहद शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। यहाँ प्रसव पीड़ा से तड़प रही एक गर्भवती महिला को जिला अस्पताल के प्रसूति विभाग ने भर्ती करने से इनकार कर दिया। नतीजतन, महिला ने अस्पताल परिसर के भीतर सड़क पर ही बच्चे को जन्म दे दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हड़कंप मच गया। आनन-फानन में अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और जच्चा-बच्चा को अंदर ले जाया गया। फिलहाल दोनों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है, लेकिन इस घटना ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के दावों की पोल खोल दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बागपत जिले के आसरा गांव निवासी कौसर को रात में प्रसव पीड़ा होने पर परिजन शामली जिला अस्पताल लाए थे।

पुलिस पर शिकायत करने से रोकने का आरोप

परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल स्टाफ ने न केवल लापरवाही बरती, बल्कि उन्हें पुलिस में शिकायत करने से रोकने की भी कोशिश की। घटना के बाद काफी देर तक अस्पताल में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। हालांकि, इस मामले में अभी तक कोई लिखित पुलिस शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, लेकिन वायरल वीडियो ने अस्पताल प्रबंधन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। अभी तक अस्पताल प्रशासन की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों ने उच्चाधिकारियों से दोषी डॉक्टरों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अवैध कॉलोनियों पर कसेगा शिकंजा

एजेंसी । सीतापुर

उत्तर प्रदेश के सीतापुर जनपद में अवैध निर्माण और बिना नक्शा पास कराए विकसित की जा रही कॉलोनियों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। सिटी मजिस्ट्रेट मीनाक्षी पांडेय ने विनियमित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नए नियमों के अनुसार, किसी भी प्रकार के आवासीय,

व्यावसायिक, औद्योगिक या शैक्षणिक निर्माण, पुनर्निर्माण और विस्तार से पहले सक्षम प्राधिकारी से लिखित स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। सिटी मजिस्ट्रेट ने दो-टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि बिना नक्शा पास कराए, किए गए किसी भी निर्माण के खिलाफ प्रशासन कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगा।

पुल से टकराकर पलटा स्टीमर, 9 मौत

एजेंसी । वृंदावन

धर्मनगरी वृंदावन में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा उस समय हुआ जब श्रद्धालुओं से भरा एक स्टीमर यमुना नदी में बने पैंटून पुल से टकराकर पलट गया। स्टीमर में करीब 30 लोग सवार थे, जो यमुना दर्शन के लिए निकले थे। केसी घाट के समीप जैसे ही स्टीमर पुल से टकराया, संतुलन बिगड़ने के कारण सभी यात्री गहरे पानी में जा गिरे।

भ्रष्टाचार की नींव पर खड़ा 'अवैध' साम्राज्य

अधिकारियों की मिलीभगत ने डुबोया व्यापारियों का कारोबार

एजेंसी । मेरठ

शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई ने हजारों व्यापारियों के भविष्य पर संकट के बादल मंडरा दिए हैं। आवासीय भूखंडों पर हुए अवैध व्यावसायिक निर्माणों को अब 859 पर भी तलवार लटक रही है। इस कार्रवाई से आक्रोशित व्यापारियों का गुस्सा उन अधिकारियों पर फूट पड़ा है, जिनकी मिलीभगत से दशकों तक यह अवैध निर्माण होता रहा। संयुक्त व्यापार संघ के नेतृत्व में व्यापारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है।

पच्चीस साल से दे रहे टैक्स, फिर अवैध कैसे?

व्यापारियों ने जनप्रतिनिधियों और आवास विकास परिषद के कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संयुक्त व्यापार संघ अध्यक्ष अजय गुप्ता और गोपाल अग्रवाल का कहना है कि व्यापारियों ने कोई अवैध कब्जा नहीं किया है; उनके पास कमर्शियल रजिस्ट्री, जीएसटी नंबर और वर्षों पुराने बिजली के बिल हैं। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष व्यापारियों का पक्ष मजबूती से नहीं रखा। व्यापारियों का तर्क है कि जब निर्माण हो रहा था, तब अधिकारी आंखें मूंदकर बैठे थे और अब बिना किसी ठोस समाधान के 25-30 साल पुराने प्रतिष्ठानों को उजाड़ा जा रहा है।

प्राथमिकी दर्ज लेकिन गिरफ्तारी नहीं, पुलिस की भूमिका पर सवाल

इस पूरे प्रकरण में आवास विकास परिषद के 42 अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 217 और 218 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिनमें सजा से बचाने के लिए सरकारी निर्देशों का उल्लंघन और गलत दस्तावेज तैयार करने जैसे आरोप हैं। हालांकि, एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह के अनुसार, इन धाराओं में सात साल से कम की सजा का प्रावधान होने के कारण अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसी बात को लेकर व्यापारियों में भारी असंतोष है; उनका कहना है कि जहाँ व्यापारियों का कारोबार पूरी तरह चौपट हो गया है, वहीं असली गुनहगार अधिकारी खुलेआम घूम रहे हैं।

पॉक्सो केस में चूक पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

एजेंसी । गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 4 साल की मासूम बच्ची के साथ हुई हैवानियत और उसकी मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। 16 मार्च को हुई इस हृदयविदारक घटना में पुलिस और अस्पतालों की संवेदनहीनता पर नाराजगी जताते हुए शीर्ष अदालत ने गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर को 13 अप्रैल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि मामले के वीडियो सबूतों ने उनका दिल दहला दिया है, जबकि पुलिस और निजी अस्पतालों का रवैया पूरी तरह बेदर्दी भरा रहा।

FIR में रेप और पॉक्सो न जोड़ने पर उठे सवाल

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। आरोप है कि बच्ची के साथ दुष्कर्म के स्पष्ट प्रमाणों के बावजूद पुलिस ने शुरुआती एफआईआर में केवल हत्या की धारा दर्ज की और रेप व पोक्सो जैसी सख्त धाराओं को शामिल नहीं किया।

अस्पतालों की संवेदनहीनता और साक्ष्यों में विरोधाभास

अदालत ने उन दो निजी अस्पतालों को भी आड़े हाथों लिया जिन्होंने खून से लथपथ बच्ची को इलाज देने से मना कर दिया था। बच्ची के पिता के वकील ने कोर्ट में वह वीडियो साक्ष्य भी पेश किया जिसमें बच्ची जीवित दिख रही थी, जबकि पुलिस रिपोर्ट में उसे मृत बताया गया था। अदालत ने इस मामले को मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए पुलिस की थ्योरी को खारिज किया और स्पष्ट किया कि इस पूरे घटनाक्रम में जवाबदेही तय की जाएगी। अब 13 अप्रैल को पुलिस कमिश्नर को इन तमाम खामियों पर अदालत में स्पष्टीकरण देना होगा।

कस्टडी में हथियार कैसे? सुप्रीम कोर्ट सख्त

यही नहीं, परिजनों ने पुलिस पर मारपीट करने और चुप रहने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। सुप्रीम कोर्ट ने उस कथित पुलिस एनकाउंटर पर भी संदेह जताया, जिसमें आरोपी ने हिरासत में रहते हुए पुलिस पर गोली चलाने की कोशिश की थी।

व्यापार जगत

कोल इंडिया ने रोका महंगाई का असर

एजेंसी । नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया (सीआईएल) ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए बढ़ती लागत का बोझ खुद उठाने का फैसला किया है। पश्चिम एशिया संकट के कारण विस्फोटकों में प्रयुक्त होने वाले अमोनियम नाइट्रेट की कीमतों में 44 प्रतिशत और औद्योगिक डीजल के दामों में 54 प्रतिशत (92 रुपये से बढ़कर 142 रुपये प्रति लीटर) की भारी वृद्धि हुई है। इस वैश्विक दबाव के बावजूद, कोल इंडिया ने कोयले की कीमतों में इजाफा नहीं किया है, ताकि आम जनता और उद्योगों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ न पड़े।

युद्ध और बाजार की गिरावट भी नहीं डिगा पाई हौसला

बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी (लिक्विडिटी) को प्रबंधित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) शुक्रवार को 2 लाख करोड़ रुपये का '7-दिवसीय वैरिएबल रेट रिवर्स रेपो' ऑक्शन आयोजित करने जा रहा है। सरकारी प्रतिभूतियों (G-Secs) के परिपक्व होने के कारण सिस्टम में लगभग 4.55 लाख करोड़ रुपये का भारी अधिशेष जमा हो गया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तरलता प्रबंधन के लिए एहतियाती कदम उठाता रहेगा।

संजय खन्ना बने BPCL के नए सारथी, नेट जीरो पर लक्ष्य

कॉरपोरेट जगत में एक और बड़े बदलाव के तहत संजय खन्ना को महारत्न कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) का नया चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (CMD) नियुक्त किया गया है। खन्ना, जिन्हें रिफाइनरी संचालन में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है, मई 2029 तक इस पद पर अपनी सेवाएं देंगे। इससे पहले उन्होंने कोच्चि रिफाइनरी के प्रमुख के रूप में महामारी जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक पूरा किया था। उनके नेतृत्व में बीपीसीएल अपनी 35.3 एमएमटीपीए की रिफाइनिंग क्षमता को और सुदृढ़ करने के साथ-साथ ग्रीन कदम बढ़ाएगी।

वैश्विक जोखिमों के बावजूद मजबूत रहेगी भारत की अर्थव्यवस्था

एजेंसी । नई दिल्ली

एशियाई विकास बैंक (ADB) ने भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक बेहद सकारात्मक और मजबूत तस्वीर पेश की है। अपनी ताजा 'एशियन डेवलपमेंट आउटलुक' रिपोर्ट में एडीबी ने अनुमान लगाया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.9% रहेगी, जो अगले वित्त वर्ष 2027-28 में और रफ्तार पकड़ते हुए 7.3% तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा।

महंगाई और वैश्विक तनाव से जुड़ी चुनौतियां बरकरार

विकास के सकारात्मक अनुमानों के बीच एडीबी ने कुछ जोखिमों के प्रति आगाह भी किया है। रिपोर्ट के अनुसार, मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, व्यापारिक आपूर्ति में बाधा और विदेशों से आने वाले रेमिटेंस पर दबाव पड़ सकता है। महंगाई के मोर्चे पर अनुमान है कि खाद्य और तेल की कीमतों में तेजी के कारण इस वर्ष यह 4.5% तक रह सकती है।

बैंकिंग सेक्टर में बंपर तेजी रिकॉर्ड की ओर निफ्टी बैंक

एजेंसी । नई दिल्ली

बैंकिंग सेक्टर में इस हफ्ते जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। निफ्टी बैंक इंडेक्स फरवरी 2021 के बाद अपने सबसे बेहतरीन वीकली प्रदर्शन की ओर बढ़ रहा है। इंडेक्स में इस हफ्ते अब तक करीब 8.5 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है, जो पिछले करीब 5 सालों की सबसे बड़ी वीकली उछाल है। इससे पहले फरवरी 2021 के पहले हफ्ते में इंडेक्स में करीब 16 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। खास बात यह है कि इससे पहले लगातार छह हफ्तों से निफ्टी बैंक इंडेक्स लाल निशान में यानी गिरावट के साथ बंद हो रहा था। हालांकि इस हफ्ते इंडेक्स ने वापसी की है। इंडेक्स में शामिल सभी बैंकिंग शेयरों में इस हफ्ते शानदार तेजी देखने को मिली।

बाजार के उतार-चढ़ाव पर भारी पड़ा निवेशकों का भरोसा

एजेंसी । नई दिल्ली

शेयर बाजार में भारी उथल-पुथल और गिरावट के बावजूद रिटेल निवेशकों का भरोसा सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर बरकरार है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च महीने में सिप के जरिए, रिकॉर्ड 32,087 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह फरवरी के 29,845 करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग 7.5 फीसदी अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि फरवरी में कम दिन होने और बैंक अवकाश के कारण जो निवेश

प्रभावित हुआ था, उसकी भरपाई मार्च में अच्छी ग्रोथ के साथ हो गई है। मार्च का महीना शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। मध्यपूर्व में जारी तनाव और युद्ध की स्थितियों के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में 11 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक भी 10 फीसदी से ज्यादा टूटे। इस भारी गिरावट के बावजूद सिप निवेश में बढ़ोतरी यह दर्शाती है।

सर्राफा बाजार में फिसला सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में प्रति 10 ग्राम 2,170 रुपये से लेकर 2,360 रुपये तक की कमी आई। इस गिरावट के बाद 24 कैरेट सोने की कीमत देश के प्रमुख बाजारों में 1,51,470 रुपये से लेकर 1,52,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच पहुंच गई है। पीली धातु के साथ-साथ चांदी की चमक भी फीकी पड़ी है; इसके दाम कल के मुकाबले 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक लुढ़क गए हैं, जिसके बाद दिल्ली में चांदी 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कर रही है।

महानगरों का हाल: मुंबई-कोलकाता में सबसे कम दाम

देश के प्रमुख महानगरों में सोने की कीमतों में भिन्नता देखी गई। आर्थिक राजधानी मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर सबसे कम कीमत पर बिक रहा है, जबकि यहाँ 22 कैरेट सोने का भाव 1,38,840 रुपये दर्ज किया गया। राजधानी दिल्ली और जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,620 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। चेन्नई में कीमतें अन्य शहरों की तुलना में अधिक रहीं, जहाँ 24 कैरेट सोना 1,52,720 रुपये और 22 कैरेट सोना 1,39,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुँच गया है।

राज्यों की राजधानियों में भी दिखा मंदी का असर

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,51,620 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं, भोपाल, अहमदाबाद और पटना के बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,51,520 रुपये के भाव पर बिक रहा है। दक्षिण और पूर्वी भारत के राज्यों जैसे कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा में भी मंदी का रुख साफ नजर आया। बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोने का भाव 1,51,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बना हुआ है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक संकेतों और घरेलू मांग में आए बदलाव के कारण कीमतों में यह बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

कैप्री ग्लोबल का 500 करोड़ रुपये का एनसीडी इश्यू, ट्रेंच-1 की घोषणा

एजेंसी । नई दिल्ली

कैप्री ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड ने 500 करोड़ रुपये के सिक्योर्ड, रेटेड, लिस्टेड, रिडीमेबल नॉन-कनवर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी) के ट्रेंच-1 पब्लिक इश्यू की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, इस इश्यू में 100 करोड़ रुपये का बेस इश्यू साइज और 400 करोड़ रुपये का ग्रीन शू ऑप्शन शामिल है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश शर्मा ने कहा कि कैप्री ग्लोबल एमएसएमई लोन, हाउसिंग लोन, गोल्ड लोन और कंस्ट्रक्शन फाइनेंस जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सुरक्षित और कोलेटरलाइज्ड लोन उपलब्ध कराती है। उन्होंने बताया

कि कंपनी मजबूत निष्पादन, सतर्क जोखिम प्रबंधन और टेक्नोलॉजी आधारित सेवाओं के जरिए देशभर में उन ग्राहकों तक पहुंच बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो अब तक मुख्यधारा की वित्तीय सेवाओं से वंचित हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया कि इश्यू से जुटाई गई राशि का कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा आगे कर्ज देने, फाइनेंसिंग और मौजूदा कर्जों के ब्याज एवं मूलधन के पुनर्भुगतान में उपयोग किया जाएगा।

पटरी पर लौटना चाहेगी चेन्नई एक्सप्रेस

पहली जीत की तलाश में आज दिल्ली कैपिटल्स से होगा सुपर किंग्स का मुकाबला

एजेंसी I चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) अपने घरेलू मैदान एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में जीत की पटरी पर लौटने के लिए बेताब है। लगातार तीन अलग-अलग स्टेडियमों में हार का सामना करने के बाद, टीम पर अब मनोवैज्ञानिक दबाव है। घरेलू दर्शकों के सामने खुद को साबित करना और 'हार की हैट्रिक' के सिलसिले को तोड़ना टीम की पहली प्राथमिकता होगी।

गेंदबाजी विभाग में सुधार की जरूरत

चेन्नई के गेंदबाजों के लिए पिछला मैच किसी दु:स्वप्न से कम नहीं था, जहां उन्होंने बेंगलुरु के खिलाफ 250 रन लुटा दिए। खलील अहमद को छोड़कर, अन्य सभी गेंदबाजों की इकॉनमी रेट 12 से ऊपर रही है। चेपॉक की पिच पर स्पिनरों को मदद मिल सकती है, ऐसे में गेंदबाजों को अपनी लाइन और लेंथ पर नियंत्रण पाना होगा ताकि रनों की गति रोकी जा सके।

सलामी जोड़ी पर बड़ी जिम्मेदारी

टीम की सफलता का दारोमदार काफी हद तक संजू सैमसन और रुतुराज गायकवाड़ की ओपनिंग जोड़ी पर टिका है। पिछले मैचों में उम्मीद के मुताबिक शुरुआत न मिल पाने के कारण मध्यक्रम पर दबाव बढ़ा है। शनिवार को दिल्ली के खिलाफ इन दोनों अनुभवी बल्लेबाजों को पावरप्ले का फायदा उठाकर टीम को एक मजबूत आधार देना होगा।

दिल्ली कैपिटल्स का पलटवार

अक्षर पटेल की अगुवाई वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम भी इस समय घायल शेर की तरह है। गुजरात के खिलाफ पिछले मैच में महज एक रन से मिली हार उनके लिए काफी दर्दनाक रही होगी। आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में लय खोना भारी पड़ सकता है, इसलिए दिल्ली की टीम चेन्नई के खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन कर अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहेगी।

नंबर गेम

- 25 रन से हराया था दिल्ली ने चेन्नई को पिछले साल खेले गए एकमात्र मुकाबले में
- 2 लगातार पिछले मुकाबलों में दिल्ली ने चेन्नई को हराया है। चेन्नई ने पिछली जीत 2023 में दर्ज की थी

मिलर का फैसला और उसका प्रभाव

दिल्ली के पिछले मैच में डेविड मिलर द्वारा अंतिम ओवर में रन न लेने का फैसला चर्चा का केंद्र बना हुआ है। हालांकि टीम इसे भुलाकर आगे बढ़ना चाहेगी, लेकिन इस तरह की करीबी हार खिलाड़ियों के मनोबल पर असर डाल सकती है। दिल्ली को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे उन गलतियों को न दोहराएं और खेल को अंतिम समय तक ले जाने के बजाय दबदबा बनाए रखें।

गेंदबाजी और मुकेश कुमार की रणनीति

तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने सीजन की शुरुआत अच्छी की थी, लेकिन पिछले मैच में वह काफी महंगे साबित हुए। इससे दिल्ली को पावरप्ले के दौरान अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। हालांकि, लुंगी एनगिडी की फॉर्म दिल्ली के लिए राहत की बात है, जो मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति में भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

डेवाल्ड ब्रेविस की संभावित वापसी

चेन्नई के बल्लेबाजी संतुलन में डेवाल्ड ब्रेविस की कमी साफ खल रही है। दक्षिण अफ्रीका के इस युवा और आक्रामक बल्लेबाज की अनुपस्थिति ने टीम के 'एक्स-फैक्टर' को कम कर दिया था। अच्छी खबर यह है कि वह चोट से उबर चुके हैं और दिल्ली के खिलाफ मैच में वापसी कर सकते हैं, जिससे बल्लेबाजी क्रम को मजबूती मिलेगी।

धोनी की उपलब्धता पर संशय

फैंस के चहेते एम.एस. धोनी की मैदान पर वापसी को लेकर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। पिंडली में खिंचाव (Calf Strain) की समस्या के कारण वह इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। उनकी कप्तानी और फिनिशिंग स्किल्स की कमी टीम को हर विभाग में खल रही है, और ड्रेसिंग रूम उनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है।

मध्यक्रम और निचले क्रम का संघर्ष

मध्यक्रम में कार्तिक शर्मा को अपनी भूमिका के साथ न्याय करने की जरूरत है, क्योंकि उनकी फॉर्म अब तक चिंता का विषय रही है। हालांकि, निचले क्रम में प्रशांत ने कुछ अच्छे हाथ दिखाए हैं, लेकिन टीम को स्थिरता की दरकार है। सरफराज खान एकमात्र ऐसे बल्लेबाज रहे हैं जिन्होंने निरंतरता दिखाई है और वह इस मैच में भी खुद को साबित करना चाहेंगे।

दिल्ली की बल्लेबाजी और कमजोर कड़ी

दिल्ली के लिए सकारात्मक पहलू केएल राहुल का फॉर्म में वापस आना है, जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, नीतीश राणा अब तक टीम के लिए कमजोर कड़ी साबित हुए हैं।

जील-सहजा की जीत से भारत की मंगोलिया पर बढ़त

एजेंसी। नई दिल्ली

जील देसाई और सहजा यमलापल्ली की एकतरफा जीत से भारत ने बिली जीन किंग कप के एशिया/ओशिनिया ग्रुप-1 मुकाबले में शुक्रवार को मंगोलिया पर 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। टूर्नामेंट में अपना पदार्पण मैच खेल रही जील ने 15 वर्षीय अनु-वजिन गैंटोर को 37 मिनट में 6-0, 6-0 से पराजित किया। सहजा ने भी डीएलटीए परिसर में खेले गए मैच में 32 वर्षीय जरगल अल्तानसरनाई को 42 मिनट में 6-0, 6-0 से शिकस्त दी। दोनों ही भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिद्वंद्वियों को एक भी अंक नहीं लेने दिया। मंगोलिया की कमजोर टीम पर प्रभावशाली जीत के बाद भारत के सामने शनिवार को प्रतियोगिता के आखिरी दिन कोरिया की चुनौती होगी। थाईलैंड के खिलाफ मिली हार ने भारत की स्थिति को पहले ही मुश्किल बना दिया है।छह टीमों के इस ग्रुप में शीर्ष दो टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी जबकि अंतिम दो टीमों को ग्रुप-2 में खिसकना पड़ेगा। ऐसे में इस बात की संभावना अधिक है कि भारत ग्रुप-1 में बना रहेगा। मंगोलिया के खिलाफ गैंटोर के अनुभवहीन होने को देखते हुए भारतीय कप्तान विशाल उप्पल ने जील को मौका दिया। टूर्नामेंट में अब तक सिर्फ एक गेम जीत सकी गैंटोर इस स्तर के मुकाबलों के लिए अभी तैयार नहीं दिखीं। भारतीय खेमे को हालांकि इससे कोई शिकायत नहीं होगी। प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए उसे मंगोलिया के साथ-साथ शनिवार को कोरिया के खिलाफ भी जीत दर्ज करनी है।

आयुष ने नंबर चार खिलाड़ी क्रिस्टी को चौंकाया

- 54 मिनट में मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचे शेट्टी, पदक भी पक्का किया
- 8 साल में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने

निंगबो। आयुष शेट्टी के 'डाउन-द-लाइन स्मैश', नेट के पास 'विनर शॉट' और अलग-अलग तरह के स्मैश का दुनिया के नंबर चार खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी के पास कोई जवाब नहीं था। दुनिया के 25वें रैंकिंग के आयुष ने शुक्रवार को इंडोनेशिया के क्रिस्टी को उलटफेर का शिकार बनाकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ बैडमिंटन एशियाई चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। साथ ही पदक भी पक्का कर लिया। आयुष ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाले क्रिस्टी पर लगातार दबदबा बनाते हुए जोरदार स्मैश की बदौलत 54 मिनट में 23-21, 21-17 से जीत दर्ज की। वह पिछले आठ साल में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 2018 में एचएस प्रणय ने यह उपलब्धि हासिल की थी। यह क्रिस्टी और आयुष के बीच टूर पर पहली भिड़ंत थी। आयुष कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा के साथ मिलकर रणनीतिक रूप से पूरी तरह तैयार दिखे जो पहले क्रिस्टी के भी कोच थे। मौजूदा अमेरिकी ओपन सुपर 300 चैंपियन आयुष का सामना अब थाईलैंड के शीर्ष वरीय कुनलावुत वितिदसर्ण से होगा।

कांटे की टक्कर

आयुष शुरू में 2-0 और 5-3 से आगे चल रहे थे, लेकिन क्रिस्टी ने फिर नियंत्रण बनाकर स्कोर 6-5 और फिर 9-6 से कर लिया। उन्होंने ब्रेक तक तीन अंक की बढ़त बना ली। मंगलुरु के आयुष ने शानदार वापसी करते हुए जल्द ही अंतर खत्म कर दिया। हालांकि कुछ 'अनफोर्स्ड' गलतियों के कारण क्रिस्टी एक बार फिर 14-11, 16-13 और 18-16 से आगे निकल गए। क्रिस्टी की नेट गलती और एक 'वाइड रिटर्न' से आयुष ने वापसी कर स्कोर 18-18 से बराबर कर लिया। आयुष के गेंद को कोर्ट से बाहर करने से क्रिस्टी को दो 'गेम प्वाइंट' मिल गए। भारतीय खिलाड़ी ने एक तेज 'डाउन-द-लाइन स्मैश' और नेट के पास एक 'विनर शॉट' लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। फिर उन्होंने एक 'गेम प्वाइंट' हासिल कर लिया। क्रिस्टी ने 'क्रॉस-कोर्ट स्मैश' से इसे बचा लिया लेकिन अगला शॉट नेट में लगा बैठे। इसके बाद कोर्ट से बाहर शॉट से पहला गेम गंवा दिया।

सातवें भारतीय

छह फुट चार इंच के आयुष एशियाई चैंपियनशिप में पदक पाने में सातवें भारतीय होंगे। उनसे पहले दिनेश खन्ना (1965, 1969), सुरेश गोयल (1965), प्रकाश प्रादुकोण (1976), पुलेला गोपीचंद (2000), अनूप श्रीधर (2007) और प्रणय (2108) पदक जीत चुके हैं।

विश्वनाथ बने एशियाई चैंपियन, सचिन को रजत

नंबर गेम

- 16 पदक (जिसमें से पांच स्वर्ण) के साथ भारतीय टीम पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रही
- 10 पदक चार स्वर्ण सहित महिलाओं ने जीते। कोई भी भारतीय महिला खाली हाथ नहीं लौटी

एजेंसी। उलानबटोर

विश्वनाथ सुरेश (50 किलो) ने चैंपियनशिप के अंतिम दिन अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए जापान के दाइची इवाई को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फाइनल की राह में उन्होंने दुनिया के नंबर एक मुक्केबाज को हराकर बड़ा उलटफेर किया, जो उनके उभरते करियर की एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं, 60 किलो वर्ग में सचिन को कड़े मुकाबले के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इन सफलताओं के दम पर भारतीय पुरुष टीम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूती का परिचय दिया।

भारतीय महिला टीम की ऐतिहासिक उपलब्धि

इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी विशेषता भारतीय महिला मुक्केबाजों का दबदबा रहा। महिला टीम ने 4 स्वर्ण, 2 रजत और 4 कांस्य सहित कुल 10 पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह महाद्वीपीय स्तर पर भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (BFI) के अध्यक्ष अजय सिंह ने इस सफलता की सराहना करते हुए इसे भारतीय महिला मुक्केबाजी के लिए एक असाधारण और गौरवशाली अभियान बताया है।

पदक तालिका में भारत का स्थान

समग्र रैंकिंग की बात करें तो भारत 5 स्वर्ण सहित कुल 16 पदक जीतकर तालिका में दूसरे स्थान पर रहा। दिलचस्प बात यह है कि भारत ने कुल पदकों की संख्या में शीर्ष पर रहे कजाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया, लेकिन एक स्वर्ण पदक कम होने के कारण वह दूसरे पायदान पर रहा। विश्वनाथ जैसे युवा खिलाड़ियों की सफलता भारत की 'पाइपलाइन' यानी भविष्य के खिलाड़ियों की मजबूत तैयारी को दर्शाती है, जो आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर देश का मान बढ़ाएंगे।

बॉलीवुड

फिल्म 'महावतार' में नजर आ सकती हैं

श्रद्धा कपूर

विक्की कौशल के लिए साल 2025 बेहद सफल रहा, जब उनकी ऐतिहासिक फिल्म 'छावा' ने भारत में करीब 800 करोड़ रुपये का कारोबार करते हुए बड़ी सफलता हासिल की। अब दर्शकों की निगाहें उनकी अगली फिल्म 'महावतार' पर टिकी हैं। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस पौराणिक फिल्म को लेकर ताजा चर्चा है कि श्रद्धा कपूर इस प्रोजेक्ट से जुड़ सकती हैं, जिससे फैंस के बीच उत्साह और बढ़ गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार 'स्त्री' फ्रैंचाइजी के निर्देशक अमर कौशिक अपनी इस महत्वाकांक्षी फिल्म के लिए श्रद्धा कपूर से बातचीत कर रहे हैं। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो फिल्म की शूटिंग जून, 2026 से शुरू की जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि श्रद्धा इस भूमिका के लिए उपयुक्त मानी जा रही हैं और टीम ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थी, जो स्टार पावर के साथ मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस भी लेकर आए। निर्माताओं को उम्मीद है कि विक्की और श्रद्धा की जोड़ी दर्शकों को पसंद आएगी। गौरतलब है कि इस फिल्म के लिए मुख्य अभिनेत्री के तौर पर पहले दीपिका पादुकोण का नाम भी चर्चा में था। खबरें थीं कि निर्माता उनके साथ बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अब फिलहाल ध्यान श्रद्धा कपूर पर केंद्रित होता दिख रहा है। श्रद्धा के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वह आने वाले समय में बायोपिक फिल्म 'ईथा' में नजर आएंगी, जिसे लेकर भी दर्शकों में खासा उत्साह है।

सलमान खान के राइट हैंड बनेंगे राजपाल यादव

अभिनेता राजपाल यादव इन दिनों कानूनी मामले और विवादों के चलते सुर्खियों में हैं। इस बीच खबर है कि सलमान खान ने एक बार फिर उनका साथ दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान की अगली एक्शन-एंटरटेनर फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो सकती है। हालांकि, इस खबर की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि सलमान खान की इस फिल्म का निर्माण दिल राजू और निर्देशन वामशी पेडिपल्ली करेंगे। फिल्म में नयनतारा भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, राजपाल यादव इस प्रोजेक्ट में सलमान खान के 'राइट हैंड' के रूप में दिखाई दे सकते हैं, जिससे दोनों के बीच दिलचस्प केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। गौरतलब है कि सलमान खान पहले भी विवाद के दौरान राजपाल यादव के समर्थन में सामने आए थे और सोशल मीडिया पर उनकी जमकर तारीफ की थी। दोनों कलाकार इससे पहले मुझसे शादी करोगी और पार्टनर जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। अब अगर यह खबर सच साबित होती है, तो दर्शकों को एक बार फिर इस जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिल सकता है।

फिल्म 'जन नायकन' रिलीज से पहले हुई लीक

थलापति विजय की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जन नायकन' रिलीज से पहले ही मुश्किलों में घिरती नजर आ रही है। सेंसर प्रक्रिया में देरी के बाद अब फिल्म के लीक होने की खबर ने निर्माताओं की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का करीब 5 मिनट का वीडियो सोशल मीडिया पर लीक हो गया है। इस क्लिप में कथित तौर पर फिल्म के टाइटल क्रेडिट्स और विजय के शुरुआती इंट्रो सीन की झलक देखने को मिल रही है। यह वीडियो तेजी से अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर शेयर किया जा रहा है, जिससे फैंस में भारी नाराजगी है। फैंस ने इस मामले को गंभीर बताते हुए प्रोडक्शन हाउस केवीएन प्रोडक्शन को टैग कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि इस लीक क्लिप को आगे शेयर न करें, क्योंकि इससे फिल्म को नुकसान पहुंच सकता है।

आमिर ने याद किया मुश्किल दौर

आमिर खान ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह कभी शराब नहीं पीते थे, लेकिन पहली पत्नी रीना दत्ता से तलाक के बाद वह गहरे भावनात्मक संकट में चले गए। इसी दौर में उन्होंने पहली बार शराब पीनी शुरू की, जो धीरे-धीरे उनकी आदत बन गई और उनकी जिंदगी का एक कठिन अध्याय बन गया। एक शो में बातचीत के दौरान आमिर ने उस समय को याद करते हुए कहा कि जब रीना बच्चों के साथ घर छोड़कर चली गईं, तो वह पूरी तरह अकेले रह गए थे। उन्होंने कहा, मैं अपनी भावनाओं को संभाल नहीं पा रहा था और उसी समय मैंने पहली बार शराब पी। आमिर ने यह भी बताया कि तलाक से पहले उन्होंने कभी शराब नहीं पी थी, सिवाय कुछ फिल्मों के दृश्यों के लिए। लेकिन अलगाव के बाद करीब डेढ़ साल तक वह लगभग हर रात एक पूरी बोतल शराब पीते रहे, जिसे उन्होंने अपनी जिंदगी का बेहद मुश्किल दौर बताया। आमिर खान ने स्वीकार किया कि यह स्थिति उनके लिए बहुत ज्यादा थी, खासकर एक ऐसे व्यक्ति के लिए जिसने पहले कभी शराब को हाथ नहीं लगाया था। उन्होंने कहा कि उस समय वह दर्द और अकेलेपन से जूझ रहे थे। गौरतलब है कि रीना दत्ता से अलग होने के बाद आमिर ने 2005 में किरण राव से शादी की थी, लेकिन 2021 में दोनों का तलाक हो गया। हालांकि, दोनों ही रिश्तों में अलगाव के बावजूद आपसी सम्मान और दोस्ती कायम रही है।

रणदीप हुड्डा ने बताया बेटी का नाम, दिखाई पहली झलक

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम 10 मार्च को अपनी बेटी के माता-पिता बने थे। बेटी के जन्म के एक महीने बाद अब इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर उसकी पहली प्यारी तस्वीर शेयर की है और साथ ही उसके नाम का भी खुलासा किया है। शेयर की गई तस्वीरों में लिन लैशराम अपनी नन्ही बेटी को गोद में लिए नजर आ रही हैं। एक अन्य तस्वीर में वह बेटी को प्यार से उठाए हुए उस पर स्नेह लुटाती दिख रही हैं। इन खूबसूरत पलों को फैंस के साथ साझा करते हुए अभिनेता ने बेटी के नाम का भी ऐलान किया। रणदीप ने कैप्शन में लिखा, 'हमारी दुनिया का एक नया केंद्र 'न्योमिक हुड्डा', दिव्य कृपा, स्वतंत्रता और आकाश के समान असीम।'

बंगाल के लिए बीजेपी का घोषणापत्र जारी

45 दिन के अंदर 7वां वेतन आयोग लागू करेंगे: शाह

एजेंसी | कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दौरे में है। इस दौरान उन्होंने विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी किया। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भारतीय जनता पार्टी का घोषणापत्र जारी करते हुए इसे 'भरोसे का पत्र' बताया। पार्टी ने इसे 'सोनार बांग्ला' का रोडमैप बताते हुए विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा पर फोकस किया है। साथ ही, उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि बंगाल के ही बेटा को ही भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाएगी।

हर वर्ग के विकास का रोडमैप: अमित शाह

उन्होंने कहा कि यह संकल्प पत्र राज्य के हर वर्ग की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और मौजूदा निराशा के माहौल से बाहर निकलने का रास्ता दिखाएगा। अमित शाह के अनुसार, इस घोषणापत्र में किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आ रही चुनौतियों से जूझ रहे किसानों को इससे नई दिशा मिलेगी, जबकि युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी खास जोर दिया गया है।

महिलाओं और सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा एलान

इसके अलावा अमित शाह ने सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ा एलान करते हुए कहा कि सभी सरकारी कर्मचारियों और वेतनभोगियों के लिए डीए सुनिश्चित किया जाएगा और 45 दिनों के भीतर ही सातवें वेतन आयोग और आयुष्मान भारत समेत भारत सरकार की सभी योजनाओं को लागू करेंगे। साथ ही छह माह के अंदर ही यूसीसी भी लागू करेंगे। महिलाओं के लिए एलान करते हुए कहा कि हमारी सरकार 'लक्ष्मी भंडार' योजना के लाभार्थियों को हर महीने 1 से 5 तारीख तक खाते में 3 हजार रुपए ट्रांसफर करेगी।

नौकरियों में 33% आरक्षण

महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए राज्य में पुलिस बल सहित सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया है। इसके साथ ही 75 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर मंडल में महिला थाने और महिला डेस्क स्थापित करने की योजना है।

5 बड़ी बातें

- सरकार बनने के 6 महीने के अंदर बंगाल में यूसीसी लागू करने का वादा
- राज्य की महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3000 देने का एलान
- मवेशी तस्करी पर सख्त रोक लगाने का वादा
- सभी नौकरियों (पुलिस सहित) में महिलाओं को 33% आरक्षण देने का वादा
- मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना को आयुष्मान भारत से जोड़ने का वादा।

भाजपा और हुमायूं नॉर्थ पोल- साउथ पोल जैसे

पश्चिम बंगाल में पूर्व टीएमसी नेता हुमायूं कबीर के भाजपा से डील वाले वायरल वीडियो पर शुक्रवार को अमित शाह ने जवाब दिया। प्रेस कांफ्रेंस में उनसे हुमायूं के दावे पर सवाल हुआ। शाह ने जवाब दिया कि आप ममता जी की क्षमताओं से अनजान हो। वह ऐसे 2000 वीडियो बनवा सकती हैं। हुमायूं कबीर और भाजपा नॉर्थ पोल और साउथ पोल की तरह हैं। हम कभी साथ नहीं आ सकते।

राज्यसभा के मनोनीत सांसद बने हरिवंश, बन सकते हैं उपसभापति

एजेंसी | नई दिल्ली

राज्यसभा के पूर्व उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह एक बार फिर उच्च सदन के सदस्य बन गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश (CJI) रंजन गोगोई के रिटायर होने के बाद रिक्त हुई सीट को भरने के लिए हरिवंश को चुना गया। अब वह 2032 तक राज्यसभा सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें अपने कक्ष में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

राजनीतिक समीकरण और जेडीयू से दूरी

हरिवंश का पिछला कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो गया था। दिलचस्प बात यह है कि इस बार उनकी पार्टी JDU ने उनके नाम का प्रस्ताव नहीं दिया था, जिसके बाद राष्ट्रपति द्वारा उन्हें सीधे मनोनीत किया गया। हरिवंश को लंबे समय तक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का करीबी माना जाता रहा है, लेकिन पिछले कुछ समय से दोनों के बीच वैचारिक और राजनैतिक दूरियां चर्चा का विषय बनी हुई थीं। इसी बीच नीतीश कुमार ने भी राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ली है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने दिया था वापसी के संकेत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 18 मार्च को बजट सत्र के दौरान ही हरिवंश की वापसी का संकेत दे दिया था। विदाई समारोह में पीएम ने कहा था कि हरिवंश की राजनैतिक पारी अभी खत्म नहीं हुई है। गौरतलब है कि राज्यसभा में राष्ट्रपति द्वारा 12 सदस्यों को मनोनीत करने का प्रावधान है। ये सदस्य कला, साहित्य, विज्ञान और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाली हस्तियां होती हैं। हरिवंश का मनोनयन इसी संवैधानिक प्रक्रिया के तहत किया गया है।

ब्रीफ खबर

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को तेलंगाना हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को तेलंगाना हाईकोर्ट से एक हफ्ते की अग्रिम जमानत मिल गई है। यह राहत उन्हें असम में दर्ज केस में मिली है। कोर्ट ने कहा है कि यह राहत सीमित समय के लिए है। इस दौरान पवन खेड़ा को संबंधित कोर्ट या एजेंसी के सामने पेश होकर आगे की कानूनी प्रक्रिया एक हफ्ते में पूरी करनी होगी। पवन खेड़ा ने 5 अप्रैल को प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर आरोप लगाए थे। खेड़ा ने दावा किया कि रिनिकी के पास एक से अधिक पासपोर्ट और विदेशों में संपत्ति है, जिसका जिक्र हिमंता के चुनावी हलफनामे में नहीं किया गया है।

प्रियदर्शिनी केस: संतोष सिंह की परोल बढ़ाने की मांग खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 1996 के चर्चित प्रियदर्शिनी मट्टू हत्याकांड के दोषी संतोष कुमार सिंह को दी गई परोल की अवधि बढ़ाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि मामले से जुड़ा मुख्य मुद्दा रिहाई पहले से ही दिल्ली हाईकोर्ट में लंबित है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह मामला 18 मई को हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए निर्धारित है। सुप्रीम कोर्ट ने संतोष सिंह को यह स्वतंत्रता दी कि वह हाईकोर्ट से अपने मामले की जल्द सुनवाई की मांग कर सकते हैं।

लेबनान के पीएम वाशिंगटन का दौरा करेंगे: रिपोर्ट

बेरूत। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम आने वाले दिनों में अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी की यात्रा पर जाने वाले हैं। यह यात्रा इजरायल द्वारा लेबनान के साथ सीधी बातचीत के अनुरोध के बाद हो रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार यह घटनाक्रम अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बीच सामने आया है। यह सीजफायर अभी तक कायम है, लेकिन इस पर दबाव लगातार बढ़ रहा है।

बेमौसमी बारिश से 2.49 लाख हेक्टेयर की फसल बर्बाद: कृषि मंत्री

भोपाल। देश के विभिन्न हिस्सों में बेमौसमी बारिश और ओलावृष्टि ने रबी की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 2.49 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खड़ी फसलें प्रभावित हुई हैं, जिनमें गेहूं को सबसे ज्यादा क्षति हुई है और नुकसान का आकलन अभी जारी है। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में 'उन्नत कृषि मेला' के शुभारंभ में पहुंचे शिवराज सिंह ने कहा कि तीन विभाग संयुक्त रूप से सर्वेक्षण कर रहे हैं। आठ अप्रैल तक की रिपोर्ट के अनुसार, गेहूं के अलावा आम और लीची भी प्रभावित हुई हैं। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार इस संकट की घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़ी है।

सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है लेकिन भाजपा पर नहीं: सीएम बनर्जी

एजेंसी | उत्तर 24 परगना

उत्तर 24 परगना के टेंटुलिया में एक रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को असम के स्थानीय लोगों के समर्थन पर भरोसा नहीं था, इसलिए चुनाव जीतने के लिए उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से लगभग 50,000 लोगों को ट्रेनों में भरकर वहां लाया गया। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने सभी सरकारी एजेंसियों को 'खरीद' लिया है और अब कोई भी संस्था निष्पक्ष नहीं रह गई है। भाजपा की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने यहाँ तक कह दिया कि 'सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर कभी नहीं।'

मतदाता सूची और '90 लाख' नामों का विवाद

ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने दावा किया कि 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (SIR) प्रक्रिया के दौरान राज्य की मतदाता सूची से करीब 90 लाख नाम हटा दिए गए हैं। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि इनमें 60 लाख हिंदू और 30 लाख मुस्लिम मतदाता शामिल हैं। उन्होंने इसकी तुलना असम के एनआरसी (NRC) से की, जहां 19 लाख लोगों के नाम बाहर हुए थे। टीएमसी प्रमुख ने चेतावनी दी कि यह बंगाल की पहचान और लोगों के अस्तित्व की लड़ाई है।

'ईसाई धर्म ही सच्चा धर्म' बताने वाले पादरी के विरुद्ध कार्रवाई पर रोक

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक पादरी के विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही और समन पर रोक लगा दी, जिन्होंने यह दावा किया था कि ईसाई धर्म ही एकमात्र सच्चा धर्म है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने रेवरेंड फादर विनीत विंसेंट पेरेरा की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया।

उन्होंने याचिका में अपने खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद करने का अनुरोध करते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट के 18 मार्च के आदेश को चुनौती दी थी। पादरी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि पुलिस ने आईपीसी की धारा 295ए लगाई है, जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर किए गए और दुर्भावनापूर्ण कृत्यों से संबंधित है। उन्होंने पादरी के खिलाफ जारी आपराधिक कार्यवाही और समन पर रोक लगाने का अनुरोध किया। पीठ ने अनुरोध स्वीकार कर कार्यवाही पर रोक लगा दी। हाई कोर्ट ने 18 मार्च को फादर परेरा की याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में किसी धर्म विशेष को एकमात्र सच्च धर्म बताना गलत है और यह अन्य धर्मों का अपमान करने के बराबर हो सकता है।

मतदाता सूची फ्रीज करने के खिलाफ याचिका पर 13 अप्रैल को सुनवाई

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची को अंतिम रूप देने (फ्रीज करने) के फैसले के खिलाफ दायर नई याचिका पर 13 अप्रैल को सुनवाई करने पर सहमति जताई है। चुनाव आयोग ने उन सीटों के लिए 9 अप्रैल को सूचियां फ्रीज कर दी हैं, जहां पहले चरण का मतदान होना है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ इस मामले की गंभीरता को देखते हुए विस्तार से दलीलें सुनेगी।

मतदाता सूची और संवैधानिक अधिकार का टकराव

अधिवक्ता ने पीठ को बताया कि बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता हैं जिनके नाम हटाए जाने के खिलाफ अपीलें अभी लंबित हैं, लेकिन आयोग ने सूची को अंतिम रूप दे दिया है। इस पर चुनाव आयोग के वकील ने तर्क दिया कि एक निश्चित 'कट-ऑफ' तिथि अनिवार्य है। हालांकि, न्यायमूर्ति बागची ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि भविष्य के चुनावों में मतदान करना एक संवैधानिक अधिकार है, जो किसी भी कट-ऑफ तिथि से अधिक महत्वपूर्ण और स्थायी प्रकृति का है। अदालत इस बात की जांच कर रही है कि इस प्रक्रिया की मूल संरचना क्या थी।

अपीलों के निपटारे के लिए विशेष समिति

सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को स्थायी रूप से उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जा रहा है। इससे पहले, कोर्ट ने बताया था कि लगभग 60 लाख दावों और आपत्तियों का निपटारा पहले ही किया जा चुका है। अदालत ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया है कि वे पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीशों की एक तीन-सदस्यीय समिति का गठन करें। यह समिति उन 19 ट्रिब्यूनलों के लिए एक समान कार्यप्रणाली निर्धारित करेगी, जो मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के खिलाफ दायर अपीलों की सुनवाई कर रहे हैं।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को सौंपा इस्तीफा

कैश कांड में आया था नाम

एजेंसी | नई दिल्ली

कैश कांड मामले में नाम आने के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की तैयारी चल रही थी। इसी बीच जस्टिस वर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा भेजा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा ने शुक्रवार को ये फैसला लिया है। इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश रहे यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर नकदी मिली थी। इसे लेकर विवाद गहरा गया और उनके खिलाफ महाभियोग की तैयारी चल रही थी।

जस्टिस वर्मा ने क्यों लिया ये फैसला

इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इससे पहले, उनके आवास पर कथित तौर पर कैश मिलने को लेकर हुए विवाद के बाद, उनका दिल्ली हाई कोर्ट से वापस इलाहाबाद तबादला कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल, 2025 को शपथ ली थी, और फिलहाल उनके खिलाफ आरोपों के संबंध में एक आंतरिक जांच चल रही है, जिसके चलते उन्हें संसद की ओर से पद से हटाए जाने की प्रक्रिया शुरू होने की भी संभावना है। जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास से 15 मार्च 2025 को 500 रुपए के जले और अधजले नोट मिले थे। इसका एक वीडियो भी खूब वायरल हुआ था। इसके बाद न्यायमूर्ति वर्मा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे।

प्रीति सरन को संयुक्त राष्ट्र में फिर से मिली बड़ी जिम्मेदारी

▸▸ तीन साल के नए कार्यकाल के लिए हुआ चयन

एजेंसी | नई दिल्ली

वरिष्ठ राजनयिक प्रीति सरन को संयुक्त राष्ट्र की महत्वपूर्ण समिति में 2027 से शुरू होने वाले तीन वर्ष के अगले कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया है। वर्तमान में इस समिति की अध्यक्ष के रूप में कार्यरत सरन का चयन वैश्विक सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के समाधान में उनकी विशेषज्ञता पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के भरोसे को दर्शाता है। यह समिति सदस्य देशों द्वारा आर्थिक और सामाजिक अधिकारों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय संधियों के पालन की निगरानी करती है, जो संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के प्रशासनिक ढांचे के तहत आता है। CESCR समिति में 18 स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सदस्य देश आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की संधि का कड़ाई से पालन करें। प्रीति सरन के नेतृत्व में यह समिति दुनिया भर में शिक्षा, स्वास्थ्य, और न्यायसंगत कार्य स्थितियों जैसे मौलिक अधिकारों के क्रियान्वयन पर नजर रखती है।

गगनयान मिशन का दूसरा क्रू मॉड्यूल टेस्ट सफल

एजेंसी | श्रीहरिकोटा

भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारी में बड़ी कामयाबी मिली है। ISRO ने गुरुवार को दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (IADT-1) सफलतापूर्वक पूरा किया। यह टेस्ट गगनयान मिशन के लिए तैयार किए गए पैराशूट सिस्टम की असली परिस्थितियों की जांच करने के लिए किया गया। इसका मकसद गगनयान मिशन से पहले पैराशूट खुलने के प्रोसेस को चेक करना था। ये प्रोसेस मिशन के समय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित वापसी तय करेगी। टेस्ट के दौरान लगभग 5.7 टन वजनी डमी क्रू कैप्सूल को वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर से 3 किमी की ऊंचाई से छोड़ा गया। कैप्सूल ने समुद्र में सेफ लैंडिंग की।

2027 में शुभांशु समेत पायलट अंतरिक्ष जाएंगे

गगनयान ISRO का ह्यूमन स्पेस मिशन है। इसके तहत 2027 में स्पेसक्राफ्ट से वायुसेना के तीन पायलट्स को स्पेस में भेजा जाएगा। ये पायलट 400 किमी के ऑर्बिट पर 3 दिन रहेंगे, जिसके बाद हिंद महासागर में स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग कराई जाएगी। मिशन की लागत करीब 20,193 करोड़ रुपए है। गगनयान मिशन के लिए अभी वायुसेना के चार पायलट्स को चुना गया है, जिनमें से एक ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला हैं। शुभांशु इसीलिए एक्सियम मिशन के तहत इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए थे। गगनयान के जरिए पायलट्स को स्पेस में भेजने से पहले इसरो दो खाली टेस्ट फ्लाइट भेजेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने जातिगत जनगणना रोकने की याचिका खारिज की

▸▸ सीजेआई सूर्यकांत ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र को जाति जनगणना रोकने का निर्देश देने वाली याचिका खारिज कर दी और जनहित याचिका में इस्तेमाल की गई भाषा के लिए याचिकाकर्ता को कड़ी फटकार लगाई। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत व्यक्तिगत रूप से पेश हुए याचिकाकर्ता से स्पष्ट रूप से नाराज दिखे। उन्होंने कहा कि आपने अपनी याचिका में बदतमीजी की भाषा लिखी है। आपने किससे अपनी याचिका लिखवाई है। आप कहां से ऐसी भाषा याचिका में लिखते हो। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली इस पीठ में जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली भी शामिल थे। पीठ ने इस याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में केंद्र को एकल संतान वाले परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन देने के लिए नीतियां बनाने का निर्देश दिए जाने का भी अनुरोध किया गया है।

भारत ने 1000 किलोमीटर से अधिक लंबे क्वांटम नेटवर्क का किया सफल परीक्षण

अब इंटरनेट डाटा चोरी करना होगा मुश्किल

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत ने राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) के तहत 2 साल से भी कम समय में 1,000 किलोमीटर का क्वांटम संचार नेटवर्क सफलतापूर्वक स्थापित करके एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। स्टार्टअप क्यूएनयू लैब्स की स्वदेशी तकनीक से विकसित यह नेटवर्क विश्व स्तर पर सबसे लंबे क्वांटम कुंजी वितरण (क्यूकेडी) प्रणालियों में से एक है, जो भारत के क्वांटम-सुरक्षित सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करता है। इस नेटवर्क से आपका इंटरनेट डेटा और सुरक्षित हो जाएगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के डॉ. अभय करंदीकर ने इस उपलब्धि को एक 'ऐतिहासिक प्रगति' बताया और कहा कि यह शुरुआती चरण की अपेक्षाओं से कहीं आगे है और भारत को 2000 किलोमीटर के क्वांटम संचार नेटवर्क के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर करती है।

क्वांटम नेटवर्क के फायदे

यह क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन तकनीक का उपयोग करता है, जिससे डेटा चोरी या जासूसी की कोशिश तुरंत पता चल जाती है और राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित संचार की सुरक्षा करना। अभेद्य एन्क्रिप्शन इसे दोहरे उपयोग वाली तकनीक बनाता है, जिसका उपयोग रक्षा, वित्त और दूरसंचार जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में डेटा को सुरक्षित रखने में किया जा सकता है। मुक्त-स्थान क्वांटम केडी (क्यूकेडी) ऑप्टिकल फाइबर बिछाने की आवश्यकता को समाप्त करता है।

पानी के भीतर भी करेगा काम

इस विकास से रक्षा, वित्तीय प्रणालियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे सहित भारत की सुरक्षित संचार क्षमताओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, यह तकनीक पानी के भीतर और भूमिगत नेटवर्क सहित चुनौतीपूर्ण भूभागों में भी काम करने के लिए डिजाइन की गई है, जिससे इसके नागरिक और रणनीतिक अनुप्रयोगों की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस सफलता से उत्साहित होकर, सरकार ने मिशन के तहत स्टार्टअप समर्थन का विस्तार किया है, जिसमें नौ नए उद्यम जोड़े गए हैं।

पिछले साल से चल रहा था काम

यह ताजा घटनाक्रम पिछले साल डीआरडीओ के वैज्ञानिकों द्वारा ऑप्टिकल लिंक के माध्यम से एक किलोमीटर से अधिक की दूरी पर क्वांटम एंटैंगलमेंट-आधारित मुक्त-स्थान सुरक्षित संचार का सफल प्रदर्शन करने के बाद सामने आया है। इस प्रयोग में कम त्रुटि दर के साथ 240 बिट्स प्रति सेकंड की सुरक्षित कुंजी दर प्राप्त की गई। यह केवल एक सिमुलेशन नहीं था; इसे वास्तविक परिस्थितियों में किया गया था, जो पारंपरिक डेटा ट्रांसमिशन के साथ क्वांटम संचार की व्यावहारिक व्यवहार्यता को दर्शाता है।